RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
33.0°C	26.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:57 AM	7:06 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 42 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, बुधवार 26 अगस्त, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

कॉकरोच जनता पार्टी ने राष्ट्रीय और जोनल नेतृत्व टीम का किया विस्तार, नई संगठनात्मक नियुक्तियों का ऐलान

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने संगठनात्मक ढांचे के बड़े विस्तार की घोषणा करते हुए नई राष्ट्रीय नेतृत्व टीम और जोनल कोऑर्डिनेशन कमेटियों का गठन किया है। पार्टी ने कहा कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना, राज्यों और क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और स्थानीय नेतृत्व का व्यापक नेटवर्क तैयार करना है। पार्टी के अनुसार, नए संगठनात्मक ढांचे में देश के विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। इससे सीजेपी की फील्ड स्तर की गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और आम नागरिकों की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा। पार्टी के मुताबिक, यह विस्तार देशभर में अपनी संगठनात्मक मौजूदगी मजबूत करने और आम नागरिकों की चिंताओं व आकांक्षाओं पर आधारित जन-आंदोलन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अजय देशवाल, डॉ. विवेक सांगवान, मुकेश ऑलराउंडर, राम शाखड़, हर्ष कार्तिकेय सिंह और एडवोकेट आरुषि चाई को शामिल किया गया है।

मणिपुर में अंतर-राज्यीय बसों की सुचारू आवाजाही जारी, सीएम खेमचंद ने नागा और कुकी समुदायों का दिया धन्यवाद

जूम न्यूज़

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने मंगलवार को नागा और कुकी समुदायों का धन्यवाद किया। उन्होंने इंफाल-दीमापुर-गुवाहाटी नेशनल हाईवे-2 (एनएच-2) पर अंतर-राज्यीय सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की आवाजाही को सुचारू और बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करने के लिए उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री इंफाल के हेइंग खोंगबल में 45वें हॉकर दिवस (अखबार वितरक) समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नागा और कुकी आदिवासी समुदायों द्वारा दिखाया गया सहयोग और समझ राज्य में शांति बनाए रखने, सामान्य स्थिति बहाल करने और लोगों तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सोमवार को सेनापति जिले के तापहोउ गांव में हुई एक अप्रिय घटना की खबरों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों और जिला अधिकारियों ने दोनों समुदायों को मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने और वाहनों की मुक्त आवाजाही में बाधा डालने वाली किसी भी गतिविधि से बचने के लिए राजी किया। कुछ घंटों की देरी के बावजूद इंफाल से सार्वजनिक परिवहन सुचारू रूप से फिर से शुरू हो गया। सोमवार को मणिपुर के सेनापति जिले के तापहोउ गांव में दो समूहों के बीच गोलीबारी में एक सीआरपीएफ जवान घायल हो गया और कम से कम दो घरों में आग लगा दी गई, जिससे विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर नाकेबंदी हो गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार, पड़ोसी कांगपोकपी जिले के तापहोउ कुकी गांव में एक घर में आग लगा दी गई और उसके बाद सेनापति जिले के नागा तापहोउ गांव में एक और घर जला दिया गया। मंगलवार को लगातार चौथे दिन राष्ट्रीय राजमार्ग-2 से होते हुए इंफाल-दीमापुर-गुवाहाटी मार्ग पर सार्वजनिक परिवहन सेवाएं जारी रहीं। महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 300 यात्री पांच बसों और नौ विंगर वाहनों के काफिले में इंफाल से दीमापुर और गुवाहाटी के लिए सुचारू रूप से रवाना हुए। यह मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह की शांति पहलों और समुदायों के बीच बातचीत के माध्यम से सुलह की कोशिशों की पृष्ठभूमि में हो रहा है, और कुकी-जो आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिला मुख्यालय से 8 अगस्त को सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर मुक्त आवाजाही की संयुक्त घोषणा के बाद हुआ है। एनएच-2 के हिस्सों में कुछ अप्रिय घटनाओं की खबरों के बावजूद, राजमार्गों पर सार्वजनिक सड़क परिवहन का संचालन बिना किसी रुकावट के जारी रहा है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री सभी समुदायों को बातचीत के लिए एक साथ लाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं और फरवरी 2026 से विभिन्न पहाड़ी जिलों का दौरा कर रहे हैं। अब तक, महिलाओं सहित लगभग 900 यात्रियों ने इंफाल से नागालैंड के मुख्य वाणिज्यिक शहर दीमापुर और असम के मुख्य शहर गुवाहाटी की यात्रा की है, जिसमें मंगलवार की सेवा भी शामिल है। दीमापुर और गुवाहाटी से 400 से ज्यादा यात्री भी सुरक्षित रूप से इंफाल पहुंच चुके हैं। मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने जिरीबाम जिले के अपने पिछले दौरे को याद किया, जहां मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा के कारण साथ रहने वाले समुदाय अलग हो गए थे। उन्होंने कहा कि सरकार की शांति पहल के तहत, यह दूरी कम हो गई है और अब समुदाय शांति से साथ रह रहे हैं।

डूंगरपुर में बड़ा हादसा टलाः स्कूल में भरभराकर गिरी जर्जर छत, सूझबूझ से बची बच्चों की जान

जूम न्यूज़

डूंगरपुर। जिले के दोवड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत सत्तु देवकी स्थित अपर प्राइमरी स्कूल में मंगलवार को बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। स्कूल परिसर में जर्जर कमरे की छत अचानक भरभराकर गिर गई। राहत की बात रही कि घटना के समय कमरे में कोई बच्चा मौजूद नहीं था और स्कूल प्रबंधन की सतर्कता के चलते किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। सीबीईओ दीपक शाह के अनुसार घटना सुबह करीब 10 बजे की है। उस समय स्कूल में नियमित रूप से कक्षाएं चल रही थीं और करीब 120 छात्र-छात्राएं मौजूद थे। शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे थे, तभी स्कूल परिसर से अचानक तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही शिक्षक और बच्चे तुरंत सुरक्षित बाहर निकल आए। बाद में पता चला कि लंबे समय से बंद पड़े दो जर्जर कमरों में से एक की छत पूरी तरह ढह गई है। बताया गया कि स्कूल में कुल 10 कमरे हैं, जिनमें से दो कमरे काफी समय पहले जर्जर घोषित कर दिए गए थे। स्कूल प्रशासन ने सावधानी बरतते हुए पिछले एक साल से इन कमरों में कक्षाएं संचालित करना बंद कर रखा था। इसी सतर्कता के चलते छत गिरने की घटना के बावजूद बच्चों की जान सुरक्षित रही और बड़ा हादसा टल गया। मंजूरी मिलने के बाद जर्जर कमरों की मरम्मत या नए निर्माण का काम जल्द शुरू करवाया जाएगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

जूम न्यूज़

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के सत्यापन के लिए पर्याप्त समय देने और निर्धारित प्रक्रिया का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के कुल 5.54 करोड़ मतदाताओं में से करीब 1.08 करोड़ मतदाताओं को एएसडीओ (अनुपस्थित, कहीं और चले गए, मृत, जाली या अन्य) श्रेणी में रखा गया है। इसके अलावा, 24 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के बाद लगभग 43.8 लाख मतदाताओं को 'तार्किक विसंगतियों' या वर्ष 2002 की मतदाता सूची से जुड़े नहीं होने के कारण सत्यापन नोटिस मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि अकेले बेंगलुरु में 46.88 लाख मतदाता एएसडीओ श्रेणी में रखे गए हैं। उनके अनुसार, राज्य में कुल मिलाकर लगभग 1.5 करोड़ मतदाता ऐसे हैं, जिन्हें अपना नाम मतदाता सूची में बनाए रखने या दोबारा शामिल कराने के लिए दावा प्रस्तुत करना पड़ सकता है। एएसडीओ श्रेणी में शामिल कई लोग वास्तविक और पात्र मतदाता हो सकते हैं, जो बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के घर-घर सत्यापन के दौरान नौकरी, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से घर पर मौजूद नहीं थे।

उन्होंने यह भी कहा कि कई ऐसे मतदाता, जो एक मतदान केंद्र क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित हुए हैं, उन्हें नए पते पर नाम दर्ज कराने का मौका नहीं मिला, जबकि पुराने पते से उनका नाम हटा दिया गया। खासकर बेंगलुरु जैसे शहरों में सड़क के एक तरफ से दूसरी तरफ जाने पर भी मतदान केंद्र बदल सकता है। मुख्यमंत्री ने आशंका जताई कि बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाता मतदान अधिकार से वंचित हो सकते हैं।

भारत राजनीति से नहीं, एकता के धर्म से जुड़ा है - सुनील आंबेकर

जूम न्यूज़

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित युवा संवाद में युवाओं ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, एआई, शिक्षा-रोजगार, महिला सुरक्षा, सोशल मीडिया और राष्ट्र निर्माण जैसे समसामयिक मुद्दों पर सवाल उठाए।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि भारत केवल राजनीति से नहीं, बल्कि एकता के धर्म से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने युवाओं से बदलती तकनीक के दौर में अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित संवाद में आंबेकर ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है, लेकिन यह स्वतंत्रता तब सार्थक है, जब वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और सम्मान में बाधा न बने।

नीलकंठ फर्टिलिटी हॉस्पिटल के खिलाफ कार्रवाई, 9 एआरटी और सरोगेसी सेंटर्स के रजिस्ट्रेशन सस्पेंड

जूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) और सरोगेसी सेवाओं से जुड़े नियमों के उल्लंघन के आरोप में नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल प्रा.लि. के खिलाफ चिकित्सा विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने संस्थान के एआरटी क्लिनिक, एआरटी बैंक और सरोगेसी क्लिनिक समेत कुल 9 सेंटर्स के रजिस्ट्रेशन आगामी आदेश तक निलंबित कर दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के अनुसार कार्रवाई एआरटी (रेग्युलेशन) एक्ट, 2021 के प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर की गई। विभाग के मुताबिक संस्थान की ओर से प्रकाशित आईवीएफ, फर्टिलिटी एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के विज्ञापन में भ्रूण को नीले रंग में प्रदर्शित किया गया था। विभाग ने प्रथम दृष्टया इसे मेल चाइल्ड या लिंग चयन से जुड़ी सेवा के प्रचार का संकेत माना और कार्रवाई की। विभाग के अनुसार निलंबित किए गए 9 सेंटर्स में जयपुर के तीन तथा भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, जोधपुर और अजमेर के एक-एक एआरटी/सरोगेसी सेंटर शामिल हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून के तहत सेक्स सिलेक्शन और सेक्स-सेलेक्टिव एआरटी प्रक्रियाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध है। वहीं नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल के प्रबंधन ने विभाग की कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। संस्थान का कहना है कि विज्ञापन में कहीं भी मेल चाइल्ड, जेंडर सिलेक्शन या सेक्स सिलेक्शन का उल्लेख नहीं था और न ही किसी विशेष लिंग के बच्चे के जन्म की पेशकश या प्रचार किया गया। संस्थान ने दावा किया कि उसने कभी भी लिंग चयन से संबंधित कोई सेवा नहीं दी है। प्रबंधन के अनुसार कार्रवाई से पहले कोई शो-कॉज नोटिस या सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया गया। संस्थान ने अपने उपचार रिकॉर्ड और

अन्य दस्तावेज विभाग के समक्ष पेश करने की बात कही है। नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल ने विभाग से निलंबन आदेश पर रोक लगाने, उचित सुनवाई का अवसर देने तथा मरीजों के जारी IVF/ART उपचार और क्रायोप्रिजर्व किए गए भ्रूण, ऊसाइट और सीमेन की सुरक्षित देखभाल जारी रखने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। संस्थान ने कहा कि वह एआरटी कानून और लिंग चयन से जुड़े सभी कानूनी प्रतिबंधों का सम्मान करता है और मामले का निर्णय उपलब्ध तथ्यों, रिकॉर्ड एवं कानून के आधार पर किए जाने की मांग करता है। राजस्थान में सहायक प्रजनन तकनीक और सरोगेसी सेवाओं से जुड़े एक संस्थान पर हुई कार्रवाई के बाद चिकित्सा क्षेत्र में नियमों के पालन और मरीजों के उपचार की निरंतरता को लेकर बहस शुरू हो गई है। विभाग ने प्रथम दृष्टया इस प्रस्तुति को पुरुष शिशु अथवा लिंग चयन से जुड़ी सेवा के प्रचार का संकेत माना।

पश्चिम बंगाल में 'असली तृणमूल' की लड़ाई में नया मोड़, कोलकाता में 28 अगस्त को आमने-सामने होंगे दोनों गुट

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'असली तृणमूल' की लड़ाई लगातार दिलचस्प होती जा रही है। मई में आए चुनाव नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ विवाद अब पार्टी को दो अलग-अलग गुटों में बांट चुका है। दोनों गुट खुद को पार्टी का असली उत्तराधिकारी बता रहे हैं और यह संघर्ष अब विधानसभा से लेकर सड़कों तक पहुंच गया है। राज्य विधानसभा में बागी गुट को पर्याप्त तृणमूल विधायकों का समर्थन मिलने के बाद उसके नेता ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिल चुकी है। इसके बाद अगला मुकाबला 21 जुलाई को कोलकाता की सड़कों पर देखने को मिला। यह दिन तृणमूल कांग्रेस के लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन हर साल शहीद दिवस मनाया जाता है। यह कार्यक्रम 1993 में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुई पुलिस फायरिंग की याद में आयोजित किया जाता है, जिसका नेतृत्व उस समय ममता बनर्जी कर रही थीं। अब यह राजनीतिक लड़ाई 28 अगस्त को तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस पर एक नया मोड़ लेने जा रही है। 21 जुलाई की तरह इस बार भी दोनों गुट अलग-अलग भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और नेताओं की नजर इस बात पर रहेगी कि कौन-सा गुट ज्यादा भीड़ जुटाने में सफल रहता है और दोनों पक्षों के नेता अपने-अपने भाषणों में क्या संदेश देते हैं। एक तरफ ममता बनर्जी का 'कालीघाट गुट' है, जिसकी ताकत उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता और पार्टी की मूल विरासत मानी जाती है। दूसरी तरफ ऋतब्रत बनर्जी का गुट है, जिसके पास विधानसभा में संख्या बल है और जिसे संस्थागत मान्यता भी प्राप्त है। कालीघाट गुट का मानना है कि विधानसभा में संख्या बल होने भर से ममता बनर्जी की भावनात्मक और ऐतिहासिक पहचान को समाप्त नहीं किया जा सकता। यह गुट ममता बनर्जी के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द बना है। वाम मोर्चा सरकार के खिलाफ उनके आक्रामक आंदोलनों से लेकर 2011 में सत्ता हासिल करने तक की यात्रा को इस गुट की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। ममता बनर्जी की कार्यशैली लंबे समय से बेहद व्यक्तिगत और केंद्रीकृत रही है। पार्टी में फैसले अक्सर उनके कालीघाट स्थित आवास से ही लिए जाते रहे हैं।

केएमवीएसटीडीसीएल का फंड राहुल गांधी के घर भेजा गया, कर्नाटक भाजपा ने लगाया आरोप

जूम न्यूज़

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता बी. श्रीरामुलु ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसीएल) से कथित तौर पर गबन किए गए फंड को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास तक पहुंचाया गया था। बेंगलुरु में भाजपा के राज्य मुख्यालय 'जगन्नाथ भवन' में मीडिया से बात करते हुए श्रीरामुलु ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने विधानसभा में नारे लगाए थे कि वाल्मीकि कॉर्पोरेशन का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। फंड राहुल गांधी के घर तक पहुंचा था और सरकार ने विधानसभा सत्र छोटा कर दिया। श्रीरामुलु ने कहा कि भाजपा ने 1 सितंबर से पदयात्रा करने का फैसला किया है, जिसकी अगुवाई राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र करेंगे और इसमें भाजपा नेता जी. जनार्दन रेड्डी, आर. अशोक, बंगारू हनुमंतु और पार्टी के अन्य नेता शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 10 दिन की यह पदयात्रा 1 सितंबर को रायचूर से शुरू होगी और 10 सितंबर को बल्लारी में खत्म होगी। भाजपा यह बड़ी पदयात्रा इसलिए कर रही है क्योंकि हम दलितों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

मराठी भाषा अनिवार्य किए जाने के खिलाफ ऑटो रिक्शा और कैब चालकों ने हाई कोर्ट का किया रुख

जूम न्यूज़

मुंबई। मुंबई में ऑटो और कैब चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य किए जाने का मामला बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंच गया है। मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में एडवोकेट विवेक शुक्ला के माध्यम से एक जनहित याचिका दायर की गई। इसमें महाराष्ट्र सरकार के 12 अगस्त 2026 को जारी उस अधिसूचना को चुनौती दी गई है, जिसमें ऑटो रिक्शा, टैक्सी और ऐप आधारित कैब चालकों के लिए मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान अनिवार्य किया गया है। मामले को तत्काल अनुवर्ती के लिए बुधवार को कार्यवाह मुख्य न्यायाधीश रविंद्र घुगे की पीठ के समक्ष मेंशन किया जाएगा। हालांकि, कार्यवाह मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे, जिन्हें कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर स्थानांतरित किए जाने की सिफारिश की गई है, उन्होंने हाल ही में कहा था कि पीठ कोई नया मामला नहीं सुनेगी।

संपादकीय

सरकारों के बदलने के बावजूद वित्तीय मुश्किलें जारी, सीएजी ने घाटे की सीमा पार होने पर चिंता जताई

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की हालिया रिपोर्ट ने राजस्थान के वित्तीय प्रबंधन पर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट से पता चलता है कि वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत और भजन लाल शर्मा की सरकारों के कार्यकाल के दौरान ज्यादातर समय राज्य का राजकोषीय घाटा तय सीमा से ऊपर रहा। पिछले 12 सालों में राजस्थान में सरकारें बदली हैं लेकिन राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव बना हुआ है। लगातार आती रही सरकारों ने राजकोषीय घाटे को तय सीमा के भीतर रखने के लक्ष्य तय किए, फिर भी सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि ये लक्ष्य बार-बार पूरे नहीं हो पाए। बजट अनुमान और वास्तविक आंकड़ों, दोनों में ही घाटा तय मानकों से ज्यादा रहा। रिपोर्ट के अनुसार, 2015-16 और 2024-25 के बीच राजस्थान के राजकोषीय घाटे में काफी उतार-चढ़ाव आया। यह 2015-16 में 9.25 प्रतिशत था, 2016-17 में घटकर 6.09 प्रतिशत हो गया और 2017-18 में 3.04 प्रतिशत तक पहुंच गया। इसके बाद, डेटा में शामिल हर साल यह 3 प्रतिशत से ऊपर बना रहा। 2020-21 में यह बढ़कर 5.83 प्रतिशत हो गया और बाद के वर्षों में इसमें कुछ कमी आई। 2023-24 में घाटा 4.31 प्रतिशत और 2024-25 में 4.25 प्रतिशत दर्ज किया गया। 2025-26 के लिए राज्य के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटा 3.89 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2026-27 के बजट अनुमान में इसके 3.69 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। सरकार के मध्यम-अवधि के अनुमानों के अनुसार, 2027-28 में घाटा 3.49 प्रतिशत और 2028-29 में 3.29 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में राजस्व प्रबंधन में कमियों की ओर भी इशारा किया गया है। हालांकि राजस्व प्राप्तियों में बढ़ोतरी हुई, लेकिन वे बजट अनुमानों से कम रहीं, जबकि राजस्थान केंद्र सरकार से मिलने वाले ट्रांसफर और सहायता पर काफी हद तक निर्भर बना रहा। वित्तीय स्थिति का असर राजस्व व्यय पर भी पड़ता है। 'फिस्कल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट' (एफआरबीएम) फ्रेमवर्क का मकसद रेवेन्यू घाटे को खत्म करना और फिस्कल घाटे को जीएसडीपी के 3 प्रतिशत या उससे कम पर लाना था। राजस्थान ने सिर्फ 2011-12 और 2012-13 में रेवेन्यू सरप्लस हासिल किया। उसके बाद, राज्य फिर से घाटे की स्थिति में आ गया, जिससे खर्चों को पूरा करने के लिए उधार पर उसकी निर्भरता बढ़ गई। सीएजी ने सुझाव दिया है कि राजस्थान अपने खुद के टैक्स रेवेन्यू के अनुमानों की नियमित तिमाही समीक्षा और संशोधित बजट अनुमानों की विभाग-वार जांच के जरिए अपने फिस्कल मैनेजमेंट को मजबूत करे। इसने राज्य के खुद के टैक्स रेवेन्यू और जीएसडीपी के अनुपात को बढ़ाने के लिए सालाना लक्ष्यों के साथ एक स्पष्ट रोडमैप बनाने की भी बात कही है। अन्य सुझावों के अलावा, सीएजी ने पुरानी पेंशन योजना के तहत पेंशन भुगतान के लिए एक अलग फंड बनाने, विभाग-वार ग्रांट की निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड विकसित करने और बड़े रेवेन्यू खर्चों की 'आउटकम-बेस्ड' (परिणाम-आधारित) निगरानी शुरू करने का सुझाव दिया।

रिपोर्ट में ब्याज के बोझ को कम करने के लिए राज्य के कर्ज को रीस्ट्रक्चर और मैनेज करने, सेस (उपकर) से होने वाली कमाई को समय पर तय सरकारी खातों में जमा करने और उधार लिए गए फंड का इस्तेमाल मुख्य रूप से कैपिटल एसेट बनाने के लिए करने (न कि रेवेन्यू खर्चों को पूरा करने के लिए) की भी सिफारिश की गई है। सीएजी ने राजस्थान के फिस्कल मैनेजमेंट को बेहतर बनाने के लिए कई उपाय सुझाए हैं। इसका सुझाव है कि फाइनेंस डिपार्टमेंट को राज्य के खुद के टैक्स रेवेन्यू के अनुमानों को बेहतर बनाने के लिए तिमाही रेवेन्यू अनुमान समीक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इसने संशोधित बजट अनुमानों के विभाग-वार विश्लेषण का भी सुझाव दिया है, जिसमें कमियां मिलने पर सुधारात्मक उपायों को प्राथमिकता दी जाए।

संस्कारयुक्त–नशामुक्त बीकानेर के लिए हजारों कदम, 29 अगस्त को होगा वॉकथॉन

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को आयोजित होने वाले "रन फॉर फिट बीकाणा–छठा संस्करण" को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को एडिशनल एसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ एवं शिक्षा निदेशालय के स्टाफ ऑफिसर अशोक शर्मा ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। एकलव्य फाउंडेशन के अध्यक्ष दानवीर सिंह भाटी ने बताया कि वॉकथॉन में हजारों खिलाड़ी, युवा और आमजन शामिल होकर "संस्कारयुक्त–नशामुक्त बीकानेर" का संदेश देंगे। वॉकथॉन सुबह 7:30 बजे डॉ. करणी सिंह स्टेडियम से रवाना होकर कलेक्ट्रेट सर्किल तक पहुंचेगी। एडिशनल एसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ ने आयोजन को युवाओं को खेलों से जोड़ने और नशे से दूर रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में फिटनेस और खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। बीकानेर ओलम्पिक संघ के कोषाध्यक्ष एवं बॉक्सिंग कोच राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने भी शहरवासियों से अधिकाधिक संख्या में वॉकथॉन में शामिल होकर नशामुक्त और स्वस्थ बीकानेर के संदेश को मजबूत करने की अपील की। आयोजकों का लक्ष्य इस वॉकथॉन के माध्यम से शहरवासियों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

पीएम पोषण योजना में सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। पीएम पोषण (मिड-डे मील) योजना के तहत विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त विश्व मोहन शर्मा ने संभावित जोखिमों की पहले से पहचान कर उनकी रोकथाम सुनिश्चित करने को कहा है। निर्देशों के अनुसार संदिग्ध या खराब खाद्यान्न का उपयोग नहीं किया जाएगा। भोजन परोसने से पहले उसका स्वाद परीक्षण, खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण, रसोईघर व गैस उपकरणों की जांच तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य होगी। रसोइया सहायकों को स्वच्छता संबंधी नियमों की पालना करनी होगी। किसी भी असामान्य स्थिति की तत्काल सूचना उच्चाधिकारियों को देने और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों के रसोईघरों की साफ-सफाई को भी प्राथमिकता दी गई है।

मतदान कार्मिकों की भूमिका महत्वपूर्ण, निर्वाचन प्रक्रिया के हर पहलू को समझें : सुराणा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर जिला मुख्यालय स्थित श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी उच्च माध्यमिक विद्यालय में पीठासीन अधिकारियों एवं प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन दायित्वों को गंभीरता से निभाने के निर्देश दिए।

सुराणा ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन में मतदान कार्मिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सभी कार्मिक प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक पहलू को अच्छी तरह समझें, ताकि मतदान के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

उन्होंने ईवीएम संचालन, मतदान प्रक्रिया, आवश्यक प्रपत्रों, पोस्टल बैलेट, टेंडर वोट सहित निर्वाचन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों को ध्यानपूर्वक समझने और उनका व्यावहारिक अभ्यास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान कार्मिक अपनी सभी शंकाओं का समाधान जरूर करें, ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की दुविधा न रहे।

14 वर्ष आयुवर्ग की विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं की तिथियां संशोधित

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। 67वीं जिला स्तरीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयी छात्र-छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता के 14 वर्ष आयुवर्ग की प्रतियोगिताओं का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार प्रथम समूह की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 16 से 20 सितंबर 2026, द्वितीय समूह की प्रतियोगिताएं 21 से 25 सितंबर 2026 तथा तृतीय समूह की प्रतियोगिताएं 8 से 12 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के कार्यक्रम में भी बदलाव किया गया है। प्रथम समूह की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 25 सितंबर से 1 अक्टूबर 2026, द्वितीय समूह की 30 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तथा तृतीय समूह की 17 से 23 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जाएंगी। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं संशोधित कार्यक्रम के अनुरूप निर्धारित अवधि से पूर्व पूरी की जानी हैं। 11 वर्ष आयुवर्ग की ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर की प्रतियोगिताएं पूर्व में जारी खेल पंचांग एवं आदेश के अनुसार ही यथावत रहेंगी।

निकाय चुनाव से पहले राजस्थान पुलिस की बड़ी कार्रवाई, राज्य में 929 स्थानों पर 4 घंटे हुई विशेष नाकाबंदी

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। नगर निकाय चुनावों से पहले राजस्थान पुलिस ने अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ एक साथ मोर्चा खोल दिया। पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में 23 अगस्त प्रदेश में 4 घंटे 929 स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की गई। पुलिस ने एक-एक वाहन की तलाशी लेकर संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की। अतिरिक्त महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) वी के सिंह ने बताया कि नाकाबंदी में वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन दस्तावेज और नंबर प्लेट की जांच की गई। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान तस्दीक की गई। पुलिस की नजर यातायात नियम तोड़ने वालों से ज्यादा चोरी के वाहनों, अवैध हथियार, नशे और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों पर भी रही। सिंह ने बताया कि पुलिस ने 27 हजार 397 दोपहिया और 23 हजार 265 चौपहिया (कुल 50 हजार 662) वाहनों की जांच की।

इस दौरान यातायात नियम तोड़ने वालों पर तत्काल कार्रवाई हुई। इनमें 2,685 बिना हेलमेट, 987 बिना सीट बेल्ट और 345 शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हुई। निर्धारित पैटर्न से अलग, अस्पष्ट या बिना नंबर प्लेट वाले 779 वाहनों, और काली फिल्म वाले 741 वाहनों और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले 171 चालकों पर भी पुलिस ने शिकंजा कसा। नाकाबंदी में पुलिस का अहम मोर्चा अपराधियों के खिलाफ रहा।

आबकारी, आर्म्स, एनडीपीएस, लोकल एवं स्पेशल एक्ट में 75 एफआईआर दर्ज कर 81 लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं, 170 बीएनएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई में 205 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 37 वाहन भी जब्त किए गए। नाकाबंदी में अलग-अलग स्थानों पर अवैध शराब, मादक पदार्थ और हथियार भी बरामद हुए।

विद्यालयों में क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा 6 सितंबर को, रजिस्ट्रेशन के निर्देश जारी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। प्रदेश के विद्यालयों में क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा-2026 का आयोजन 6 सितंबर 2026 (रविवार) को किया जाएगा। परीक्षा के सफल आयोजन एवं विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन को लेकर माध्यमिक शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उपनिदेशक (खेलकूद), माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर भंवर लाल डूडी की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि वरिष्ठ शासन उप सचिव, शिक्षा विभाग, जयपुर के 22 अगस्त के पत्र के क्रम में क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा-2026 के लिए विद्यालय स्तर पर रजिस्ट्रेशन कराया जाना है। साथ ही की गई कार्रवाई से शासन एवं शिक्षा विभाग को भी अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सावन-भादों में पतंगबाजी का उल्लास : रंग-बिरंगी पतंगों से सजेगा बयाना का आसमान

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बयाना (भरतपुर)। सावन और भादों के महीने की दस्तक के साथ ही बयाना कस्बे और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक पतंगबाजी का दौर शुरू हो गया है। आसमान में लहराती रंग-बिरंगी पतंगों के साथ छतों पर बच्चों और युवाओं का उत्साह चरम पर है, वहीं 'वो काटा... वो मारा...' के शोर से कस्बा गुलजार होने लगा है। क्षेत्र में मानसून के महीनों में पतंग उड़ाने की दशकों पुरानी परंपरा रही है। सावन-भादों के शुरू होते ही स्थानीय बाजारों में पतंग, डोर और चरखी की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह और शाम के समय आसमान में पतंगों के बीच पेंच लड़ाने की होड़ देखने को मिल रही है। कारोबार में उछालः विभिन्न डिजाइनों और रंगों की पतंगों के साथ चरखी व मांझे की बिक्री में तेजी आने से व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं। पतंग लूटने की होड़ः पेच कटने के बाद गिरती पतंगों और डोर को लूटने के लिए बच्चों और युवाओं की टोलियां मैदानों व गलियों में दौड़ती नजर आ रही हैं। स्थानीय प्रबुद्धजनों और प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पतंगबाजी के उत्साह के बीच सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। छतों की मुंडेर, बिजली के तारों से दूरी बनाए रखें और पक्षियों व राहगीरों की सुरक्षा को देखते हुए प्रतिबंधित या घातक मांझे का इस्तेमाल कतई न करें।

सावन-भादों के आगमन के साथ ही बयाना कस्बे और आसपास के गांवों में पतंगबाजी का पारंपरिक रंग दिखाई देने लगा है। सुबह से शाम तक आसमान में अलग-अलग रंगों और आकार की पतंगें नजर आ रही हैं। छुट्टी के दिनों में बच्चों के साथ युवा भी छतों पर डटे रहते हैं और पतंगों के पेंच लड़ाने के दौरान पूरे इलाके में 'वो काटा... वो मारा...' की आवाजें गूंजती रहती हैं। पतंगबाजी को लेकर बाजार में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कस्बे के प्रमुख बाजारों में पतंग, डोर और चरखी की दुकानों पर खरीदारों की संख्या बढ़ गई है। दुकानदारों के अनुसार इस बार अलग-अलग डिजाइन और रंगों वाली पतंगों की मांग बनी हुई है।

मानसून में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने के लिए 'स्वच्छ जयपुर-स्वस्थ जयपुर' अभियान शुरू

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मानसून के दौरान शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत करने तथा मौसमी बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से नगर निगम जयपुर के 'स्वच्छ जयपुरदृस्वस्थ जयपुर' विशेष स्वच्छता अभियान का आज विधिवत आगाज हुआ। अभियान के पहले चरण में सांगानेर एवं मानसरोवर जोन में व्यापक स्तर पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। सांगानेर स्टेडियम से नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र बंसल ने अन्य संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर नगर निगम की सफाई मशीनरी एवं सफाईकर्मियों की टीमों को विभिन्न चिन्हित स्थानों के लिए रवाना किया। इस दौरान नगर निगम की विभिन्न टीमों ने सांगानेर एवं मानसरोवर क्षेत्र में चिन्हित Garbage Vulnerable Points (GVP) कचरा संग्रहण स्थलों, सड़क किनारे, डिवाइडर, मीडियन एवं सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया। आज के अभियान में केवल मैनुअल सफाई तक सीमित न रहते हुए Litter Picker, Super Sucker, Hopper, Dumper, JCB सहित विभिन्न सफाई एवं कचरा उठाने वाली मशीनरी का प्रभावी उपयोग किया गया।

मशीनरी और सफाईकर्मियों की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों से जमा कचरा, गंदगी एवं मलबा हटाकर मौके पर ही सफाई व्यवस्था को बेहतर किया गया। जहां आवश्यकता थी, वहां सड़क किनारे एवं अन्य स्थानों पर जमा भारी कचरे और मलबे को JCB एवं Dumpers की सहायता से हटाया गया, जबकि सफाई के लिए Litter Pickers और Hoppers का उपयोग किया गया।

सन्दीप भोजक एडवोकेट बने सरदारशहर न्याय क्षेत्र के संयोजक, राकेश टांक को सहसंयोजक की जिम्मेदारी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। राजस्थान सरकार के विधि प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेशभर में तहसील स्तर पर न्यायालयों के लिए संयोजक एवं सहसंयोजकों की नियुक्तियां की गई हैं। इसी क्रम में सरदारशहर न्याय क्षेत्र के लिए अधिवक्ता सन्दीप भोजक को संयोजक तथा अधिवक्ता राकेश टांक को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। सन्दीप भोजक की नियुक्ति की जानकारी मिलने के बाद सरदारशहर के अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है। साथी अधिवक्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि सन्दीप भोजक को इससे पहले राजस्थान सरकार की ओर से नगर परिषद सरदारशहर में भी अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया जा चुका है। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान में एनरोलमेंट के बाद वर्ष 2013 से वे वरिष्ठ अधिवक्ता माणकचंद भाटी के साथ अधिवक्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। अधिवक्ताओं ने उनकी नियुक्ति पर राजस्थान सरकार और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का आभार जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि सन्दीप भोजक नई जिम्मेदारी का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे। राजस्थान सरकार के विधि प्रकोष्ठ की ओर से तहसील स्तर पर न्यायालयों से संबंधित जिम्मेदारियां सौंपे जाने के बाद सरदारशहर न्याय क्षेत्र में भी नई नियुक्ति की गई है। अधिवक्ता सन्दीप भोजक को संयोजक और अधिवक्ता राकेश टांक को सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्ति की सूचना सामने आने के बाद स्थानीय अधिवक्ता समुदाय में खुशी का माहौल है। सन्दीप भोजक की नियुक्ति की जानकारी मिलने पर साथी अधिवक्ताओं और शुभचिंतकों ने उनसे मुलाकात कर बधाई दी। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायालय से जुड़े कार्यों में उनकी सक्रियता और अनुभव को देखते हुए यह जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे नई भूमिका का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और प्रभावी तरीके से करेंगे। अधिवक्ताओं का कहना है कि तहसील स्तर पर न्यायालयों से संबंधित कार्यों में संयोजक और सहसंयोजक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग (डोरा) की आयुक्त ने किया राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन का निरीक्षण

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग (डोरा) की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने मंगलवार को राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिवादों की स्थिति, पोर्टल पर उनकी श्रेणीवार प्रविष्टि, शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. अरोड़ा ने शिकायतों की प्रकृति, संबंधित विभागीय स्तर तथा निस्तारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को परिवादों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की फोन पर बात कर महत्वपूर्ण मामलों में तत्काल संज्ञान लिया और मौके पर ही कार्रवाई सुनिश्चित की। उन्होंने इस दौरान खैरतल निवासी सेवाराम की क्षेत्र में बिजली आपुर्ति से संबंधित समस्या के समाधान पर चर्चा की। इसी प्रकार अलवर जिले के महेंद्र से बात कर इन्हें जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही समस्या के समाधान के लिए मौके पर संबंधित अधिकारी से फोन पर बात कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े इस संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। राजस्थान संपर्क पोर्टल राज्य सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है और आमजन को समय पर न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा के निरीक्षण के दौरान राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केंद्र की कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पोर्टल पर दर्ज प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से लिया जाए और शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता पूरी करने के बजाय समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित प्रकरणों की संख्या और उनके निस्तारण में लग रहे समय की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन शिकायतों का समाधान संबंधित विभाग के स्तर पर संभव है, उन्हें अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। निरीक्षण के दौरान इसी दिशा में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

चिकित्सा मंत्री ने की मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों की समीक्षा

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं स्क्रबटाईफस के साथ ही स्वाइन फ्लू आदि से बचाव एवं रोकथाम गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क क्षेत्र में टीम बनाकर नियमित रूप से निगरानी की जाए।

उन्होंने सभी संयुक्त निदेशकों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में मौसमी बीमारियों, चिकित्सा संस्थानों में एक्विपमेंट्स, जांच एवं दवाईयों की उपलब्धता सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की।

साथ ही उन्होंने सभी संयुक्त निदेशकों से संभागवार चर्चा कर फीडबैक भी लिया।

उन्होंने स्वाइन फ्लू पर नियंत्रण के लिए सघन मॉनिटरिंग करने एवं उपचार तथा जांच सेवाओं की उपलब्धता पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की हरियालो राजस्थान अभियान की समीक्षा

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत इस वर्ष भी 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएं। उन्होंने विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि समन्वय के साथ पौधे लगाएं एवं उनकी उचित देखभाल भी की जाए। साथ ही, उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि अब तक 7 करोड़ 58 लाख से अधिक पौधारोपण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को भी त्योहारों के अवसर पर पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने आमजन से रक्षाबंधन के अवसर पर एक पेड़ भाई-बहन के नाम पर लगाने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर पौधारोपण करने वाले भाई-बहनों को सम्मानित भी किया जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसडीआरएफ मुख्यालय गाडोता में सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मानसून सत्र के मद्देनजर एसडीआरएफ बटालियन मुख्यालय गाडोता, जयपुर में सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। कमाण्डेन्ट एसडीआरएफ रेवन्त दान आईपीएस ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की।

अभियान का उद्देश्य बटालियन परिसर को हरा-भरा बनाना, पर्यावरण संतुलन बनाए रखना तथा बल के जवानों में प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर डिप्टी कमाण्डेन्ट नरेश शर्मा, सहायक कमाण्डेंट जग्गूराम, संजय कुमार शर्मा, दीपक कुमार, उमेश गौतम, रोहित चौधरी एवं अजय कुमार सहित बटालियन मुख्यालय में उपस्थित अधीनस्थ अधिकारियों एवं रेस्क्यू टीम के जवानों ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। बटालियन के प्रत्येक जवान द्वारा स्वप्रेरणा से पौधारोपण किया जा रहा है।

पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बटालियन स्तर पर विशेष 'ग्रीन टीम' का गठन किया गया है।

यह टीम पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा एवं उनके संरक्षण की निगरानी करेगी।

नगर निगम चुनाव में क्षत्रिय समाज उचित प्रत्याशी के चयन पर करेगा जोर

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। नगर निगम चुनाव के मद्देनजर क्षत्रिय सभा एवं ट्रस्ट, बीकानेर संभाग की ओर से आयोजित 'संवाद' कार्यक्रम में समाज की राजनीतिक भागीदारी और प्रत्याशी चयन को लेकर चर्चा हुई। क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया ने कहा कि किसी भी पार्टी द्वारा सामान्य सीट पर सामान्य प्रत्याशी को टिकट दिए जाने की स्थिति में समाज को प्रतिस्पर्धा से बचते हुए उचित प्रत्याशी का चयन कर उसे विजयी बनाने का प्रयास करना चाहिए। प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 400 लोगों ने संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में रणवीर सिंह नोखड़ा, जितेंद्र सिंह राजियासर, रुपेंद्र सिंह कक्कू, नरेंद्र सिंह पंवार, विक्रम सिंह हाडला, महावीर सिंह पवार, जालम सिंह भाटी, अमर सिंह भाटी, अमर सिंह हाड़ला, गिरधारी सिंह खिंदासर, गंगा सिंह परिहार, देवेंद्र सिंह बीका, तेज सिंह मेलिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवा और गोसेवा के लिए गिरिराज शरण को 'राजस्थान कोहिनूर 2026' सम्मान

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। स्वराज भारत 24 की ओर से साइंस पार्क सभागार में आयोजित 'राजस्थान कोहिनूर 2026' अवॉर्ड समारोह में जयपुर के समाजसेवी एवं आध्यात्मिक वक्ता गिरिराज शरण को सम्मानित किया गया। उन्हें पिछले 8 वर्षों से लगातार समाजसेवा एवं गोसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। गिरिराज शरण लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय हैं। समाजसेवा के साथ गोसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें 'राजस्थान कोहिनूर 2026' अवॉर्ड के लिए चुना गया। समारोह के दौरान सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। आयोजन में मौजूद अतिथियों ने समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गिरिराज शरण ने सम्मान के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज और जरूरतमंदों की सेवा करना उनका निरंतर प्रयास है। उन्होंने कहा कि सेवा के कार्यों को आगे भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जारी रखा जाएगा। जयपुर के साइंस पार्क सभागार में आयोजित 'राजस्थान कोहिनूर 2026' सम्मान समारोह में समाजसेवा और गोसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाजसेवी एवं आध्यात्मिक वक्ता गिरिराज शरण को सम्मानित किया गया। समारोह में सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न लोगों की मौजूदगी रही। आयोजकों ने उनके लंबे समय से किए जा रहे सेवा कार्यों को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया।

आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने बानसूर एवं नारायणपुर में ली बैठक

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

कोटपूतली-बहरोड़। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता ने मंगलवार को बानसूर एवं नारायणपुर में संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं, कार्मिकों की उपलब्धता एवं प्रशिक्षण, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतदाता जागरूकता एवं स्वीप गतिविधियों, स्ट्रॉंग रूम, मतदान केंद्रों की स्थिति तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सहित विभिन्न बिंदुओं की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित सभी दायित्वों का समयबद्ध एवं गंभीरता से निर्वहन सुनिश्चित किया जाए। मतदान केंद्रों पर बिजली, प्रकाश, पेयजल, रैंप सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें तथा मानसून को देखते हुए भवन एवं परिसर की व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर किसी भी प्रकार की कमी शेष नहीं रहनी चाहिए और आवश्यक व्यवस्थाओं को मतदान से पूर्व ही पूर्ण कर लिया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में सभी अधिकारी आपसी समन्वय एवं प्रभावी संचार के साथ कार्य करें। निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित पक्षों के साथ समन्वय रखते हुए आदर्श आचार संहिता एवं धारा 163 के प्रावधानों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

एक पेड़ लोकतंत्र के नाम कार्यक्रम के तहत किया वृक्षारोपण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

कोटपूतली-बहरोड़। आगामी नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर जिले में मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता की उपस्थिति में राजकीय महाविद्यालय बानसूर परिसर में 'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सहित उपस्थित अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता ने युवाओं को मतदान के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

350 छात्राओं सहित 35 शिक्षकों ने लिया आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में SDRF जयपुर की जल महल रेस्क्यू टीम की ओर से आपदा सुरक्षा एवं जन-जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 350 छात्राओं और 35 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान SDRF टीम ने छात्राओं एवं शिक्षकों को विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं तथा दूसरों की जान बचाने के महत्वपूर्ण तरीकों की जानकारी दी। टीम ने CPR (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन), प्राथमिक उपचार तथा गंभीर चोट की स्थिति में रक्तस्राव को नियंत्रित करने के उपायों का प्रशिक्षण दिया। जलीय आपदा प्रबंधन के तहत पानी में डूब रहे व्यक्ति को सुरक्षित बचाने के तरीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इसमें लाइफ जैकेट, लाइफ बुआ के साथ-साथ पानी की खाली बोतल, बांस और प्लास्टिक की केन जैसे उपलब्ध घरेलू संसाधनों के सुरक्षित उपयोग के बारे में समझाया गया। इसके अलावा खुले बोरवेल से होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर भी छात्राओं और शिक्षकों को जागरूक किया गया। टीम ने खुले बोरवेल को सुरक्षित तरीके से ढकने तथा हादसों की रोकथाम के आवश्यक उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन SDRF दल के सदस्यों ने श्री ओम प्रकाश, HC-21 के नेतृत्व में किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रमा सिंह ने SDRF टीम का आभार व्यक्त किया। वहीं भूगोल व्याख्याता डॉ. राजेश कुमार कुमावत ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, 400 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर एवं इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन (IRA), जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रांसफॉर्मिंग इंडियाः मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन ICTMRI Hybrid-2026" का समापन हुआ। समापन समारोह में महाविद्यालय प्राचार्य एवं आयोजन संयोजक डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में जटिल सामाजिक एवं राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान के लिए विभिन्न विषयों के बीच सहयोग और समन्वय आवश्यक है। डॉ. रंजना अग्रवाल ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विभिन्न अकादमिक सत्रों एवं शोध प्रस्तुतियों की जानकारी दी। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल, कुलगुरु, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने अपने उद्बोधन में भारत की समृद्ध बौद्धिक एवं शोध परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शोध के साथ जोड़ते हुए अनुसंधान को सामाजिक समस्याओं के समाधान की दिशा में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने अकादमिक विषयों के अत्यधिक विभाजन के स्थान पर विभिन्न ज्ञान-विषयों के बीच समन्वय और संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. एन.डी. माथुर, कुलगुरु, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर ने कहा कि विभिन्न विषयों के बीच अंतर्संबंध को प्रभावी एवं उपयोगी शोध के लिए आवश्यक बताया। प्रो. अनुकृति शर्मा, विभागाध्यक्ष, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग, कोटा विष्वविद्यालय ने तकनीकी विकास के साथ कौशल विकास को समान रूप से महत्वपूर्ण बताया और युवाओं को रोजगार देने वाला बनने हेतु प्रेरित किया। प्रो. एच.एस. शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय ने शोध में नवीनता एवं नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, निदेशक, कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने कन्वर्जेन्स, ट्रांसफॉर्मेशन एवं इनोवेशन को वर्तमान शोध की प्रमुख आवश्यकता बताया। सम्मेलन के अंतर्गत तीसरे तकनीकी सत्र में सामाजिक विज्ञान, शिक्षा, विधि एवं लोक प्रशासन तथा चैथे तकनीकी सत्र में विज्ञान, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य, कृषि एवं पर्यावरणीय स्थिरता विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

नगरीय निकाय चुनाव 2026: जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

डीग। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने की तैयारियों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) मयंक मनीष ने मंगलवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय, डीग में स्थापित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम मशीनों के सुरक्षित संधारण, सुरक्षा प्रबंधों, तकनीकी कमिशनिंग तथा रिटर्निंग अधिकारियों को मशीनों के सुगम आवंटन से जुड़ी प्रशासनिक व भौतिक व्यवस्थाओं का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस परिसर में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे सिविल व सुदृढ़ीकरण कार्यों, विद्युत आपूर्ति, फर्नीचर व्यवस्था, प्रकाश एवं सीसीटीवी सर्विलांस सहित समग्र सुरक्षा घेरे का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस में शेष रहे सभी आवश्यक तकनीकी व आधारभूत कार्यों को आगामी 1 से 2 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए।

मनोरंजन समाचार

कौन हैं 19 साल की मिस यूनिवर्स इंडिया काजिया लिज मेजो? कर रहीं वकालत की पढ़ाई

राजस्थान की ऐतिहासिक और खूबसूरत राजधानी जयपुर में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय मंच पर केरल की 19 वर्षीय प्रतिभाशाली काजिया लिज मेजो ने देश की सबसे बड़ी सौंदर्य प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया है। देशभर से आई 53 से अधिक होनहार प्रतिभागियों को कड़ी टक्कर देते हुए काजिया ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का जगमगाता ताज पहना। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही वह यह ताज अपने नाम करने वाली केरल की पहली महिला बन गई हैं। अब काजिया इसी साल नवंबर में प्यूर्टो रिको में आयोजित होने जा रहे 75वें अंतरराष्ट्रीय 'मिस यूनिवर्स' सम्मेलन में पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जयपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता के अंतिम दौर में तमिलनाडु की रहने वाली वैष्णवी गणेश प्रथम उपविजेता बनीं। वहीं गुजरात की अनुश्री सातवलेकर ने दूसरा उपविजेता स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2026' का खिताब भी हासिल किया। इस भव्य समारोह में जूरी पैनल की अगुवाई देश की पहली मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन ने की। जूरी मंडल में उनके साथ पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया विजेता उर्वशी रौतेला और सेलिना जेटली जैसी भारतीय सिनेमा व फैशन जगत की जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं। पिछले साल की विजेता मनिका विश्वकर्मा ने परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नई विजेता काजिया को आधिकारिक तौर पर मिस यूनिवर्स इंडिया का क्राउन पहनाया। केरल के मावेलिक्कारा शहर से संबंध रखने वाली काजिया लिज मेजो सिर्फ फैशन और सुंदरता तक सीमित नहीं हैं। वह वर्तमान में कानून की पढ़ाई कर रही हैं और एक पेशेवर मॉडल, अभिनेत्री तथा कुशल वक्ता भी हैं। वर्ष 2007 में जन्मी काजिया की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी स्थित प्रतिष्ठित संस्थानों से पूरी हुई है। कला के क्षेत्र में काजिया की पकड़ काफी मजबूत है। वह पिछले 12 सालों से प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना हैं। नृत्य के अलावा उन्हें संगीत का भी गहरा शौक है, वह एक अच्छी गायिका होने के साथ-साथ वायलिन और ड्रम जैसे वाद्य यंत्र भी बेहद कुशलता से बजाती हैं। उन्होंने क्षेत्रीय सिनेमा में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और मलयालम फिल्म 'शैलॉक' से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की थी। काजिया का ब्यूटी पेजेंट मंचों पर सफर बहुत छोटी उम्र में ही शुरू हो गया था। जब वह केवल 17 वर्ष की थीं, तब उन्होंने मिस टीन दिवा 2024 की ट्रॉफी जीती थी। इसके अगले ही साल उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखा और मिस टीन इंटरनेशनल 2025 में पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम उपविजेता का खिताब देश की झोली में डाला। साल 2026 की शुरुआत में उन्होंने मिस यूनिवर्स केरल 2026 का ताज हासिल किया और अपने राज्य की सबसे कम उम्र की स्टेट टाइटल होल्डर बनने का गौरव प्राप्त किया। इसी जीत ने उनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर मिस यूनिवर्स इंडिया के मुख्य मंच तक पहुँचने का रास्ता तैयार किया।

जन्मदिन पर फैंस से मिले प्यार पर आशा नेगी ने जताया आभार, बोलीं- 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं'

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आशा नेगी ने अपने जन्मदिन के मौके पर मिले फैंस, दोस्तों और करीबियों के प्यार के लिए खास अंदाज में शुक्रिया कहा। जन्मदिन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह घर पर पूजा करती नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने अपने दिल की बात लिखते हुए बताया कि लोगों की शुभकामनाओं, फोन कॉल, मैसेज, फूलों और छोटी-छोटी कोशिशों ने उनका दिन बेहद खास बना दिया। आशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह पूजा करती दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने खुद को भाग्यशाली' बताया। आशा ने कैप्शन में लिखा, ''हर विश, मैसेज, कॉल, फूल और छोटी-छोटी कोशिशों के लिए धन्यवाद, जिससे मुझे इतना प्यार महसूस हुआ। मैं अपनी जिंदगी में इतने सारे खूबसूरत लोगों को पाकर बहुत खुश और भाग्यशाली महसूस करती हूं। लोगों के प्यार, साथ में बिताए पलों, हंसी-मजाक और उन शांत पलों के लिए शुक्रगुजार हूं। इन सभी चीजों से मेरा दिल भर आया है।'' आशा ने अपने जन्मदिन को खास बनाने के लिए सभी का धन्यवाद करते हुए कहा, ''लोगों के प्यार ने मेरा यह दिन गर्मजोशी से भर दिया। इस दिन को इतना खास बना दिया कि मैं इसे लंबे समय तक याद रखूंगी।'' अपने पोस्ट में आशा ने उन फैंस का भी जिक्र किया, जो उनसे लाइव सेशन करने की मांग कर रहे हैं।

'संस्कृति और परंपराएं दिलों में होती हैं, कपड़ों में नहीं', कृति सेनन का कंगना रनौत को करारा जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों एक रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर लगातार चर्चा में हैं। दरअसल, ज्वेलरी ब्रांड के एक विज्ञापन में कृति का इंडो-वेस्टर्न लुक कुछ लोगों को पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर उनके पहनावे को लेकर सवाल उठाए गए। इसके बाद अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी बिना नाम लिए विज्ञापन की स्टाइलिंग पर निशाना साधा। अब कृति ने पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है और इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी है। कृति ने साफ किया कि किसी महिला के कपड़ों को देखकर उसकी संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान तय नहीं किया जा सकता। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''त्योहारों का मतलब आपके पहने हुए कपड़ों में नहीं है, बल्कि उन परंपराओं के प्रति भावनाओं और उनके महत्व में है। रक्षाबंधन का त्योहार सुरक्षा और प्यार के रिश्ते का प्रतीक है। मैं और मेरी बहन एक-दूसरे को राखी बांधती हैं और एक-दूसरे की सुरक्षा, अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की कामना करती हैं।'' कृति ने पोस्ट में आगे लिखा, ''मेरे लिए यह प्यार, प्रार्थना और एक-दूसरे की देखभाल का रिश्ता हमारे डॉग्स तक भी पहुंचता है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'' इसके बाद कृति ने पोस्ट में पूछा, ''हम महिलाओं को यह बताना आखिर कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के एथनिक फैशन में भी काफी बदलाव आया है, लेकिन आज भी किसी महिला के कल्चर के प्रति सम्मान को उसके कपड़ों से मापा जाता है। संस्कृति और परंपराएं महिला के दिल में होती हैं, नेकलाइन में नहीं।'' कृति के इस पोस्ट को कंगना रनौत की टिप्पणी से जोड़कर देखा जा रहा है। विज्ञापन सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके कपड़ों को त्योहार के हिसाब से सही नहीं बताया। उन्होंने कृति का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों को इसी विज्ञापन से जोड़कर देखा गया।

राखी सावंत के ड्रामे को लोग नहीं समझते, वो एक परफॉर्मेंस है : सौंदौस

अभिनेत्री और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर सौंदौस मौफाकिर हाल ही में रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स-2' में नजर आई थीं। आईएएनएस के साथ बातचीत में उन्होंने राखी सावंत की तारीफ की।

साथ ही, रियलिटी शो के बढ़ते चलन पर बात भी की। उन्होंने कहा, "जो एक्टर पहले कहते थे कि वो कभी भी रियलिटी शो नहीं करेंगे, आज वही रियलिटी शो में आने के लिए मिन्नतें कर रहे हैं। मुझे लगता है कि दुनिया बदलने वाली नहीं है बल्कि बदल चुकी है और लोग अब आखिरकार ये मानने लगे हैं कि रियलिटी शो भी एक फुल-टाइम परफॉर्मेंस है और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का ही एक हिस्सा है।"

तनुश्री दत्ता का 'वेटरन' शब्द पर निशाना, कहा- 'उम्र देखकर भरोसा नहीं, चरित्र के हिसाब से सम्मान दें'

'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में 'वेटरन' का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।'' तनुश्री ने लिखा, ''वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।'' तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ''ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे। बॉलीवुड ने इस घटना को बार-बार देखा है।'' तनुश्री ने पोस्ट में लिखा, ''किसी इंसान को उसकी उम्र, शक्ल या बैकग्राउंड देखकर अच्छा या बुरा नहीं मानना चाहिए। असली पहचान उसके भीतर के स्वभाव और उसके कर्मों से होती है। यह दुनिया हम जैसे लोगों ने बनाई है और उन लोगों द्वारा नष्ट की जाती है, जो शालीनता का मुखौटा पहनते हैं।'' इसके बाद तनुश्री ने लिखा, ''आत्माओं और दिव्यता को पहचानें। अगर सिर्फ उम्रदराज या अनुभवी होना ही किसी को सम्मान के लायक बनाता है, तो फिर बुराई करने वाले राक्षसों को भी 'वेटरन' कहा जा सकता है।'' आखिर में तनुश्री ने अपने पूरे अनुभव के बारे में बताते हुए लिखा, ''मैंने एक बहुत बड़ी सीख ली है। आज मैं सम्मान उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि चरित्र के हिसाब से देती हूं।'' अभिनेत्री तनुश्री दत्ता का यह बयान सामने आने के बाद मनोरंजन जगत में उम्र, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर मिलने वाले सम्मान को लेकर चर्चा फिर तेज हो गई है। तनुश्री ने अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की उम्र या उसके लंबे करियर को उसके चरित्र का प्रमाण नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार, किसी भी व्यक्ति का वास्तविक मूल्य उसके व्यवहार और कर्मों से तय होना चाहिए। अपने अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म उद्योग में कई बार किसी वरिष्ठ व्यक्ति को केवल इसलिए अधिक सम्मान और भरोसा दिया जाता है, क्योंकि वह लंबे समय से इस क्षेत्र में काम कर रहा है। लेकिन उनके अनुसार, समय के साथ उन्होंने महसूस किया कि केवल वरिष्ठता किसी व्यक्ति के अच्छे चरित्र की गारंटी नहीं होती। तनुश्री ने युवा कलाकारों को भी ऐसे लोगों से सावधान रहने की सलाह दी, जो अपनी उम्र और अनुभव की आड़ में दूसरों पर प्रभाव बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की सार्वजनिक छवि और वास्तविक व्यवहार के बीच अंतर हो सकता है, इसलिए किसी के बारे में राय बनाने से पहले उसके आचरण और व्यवहार को समझना जरूरी है। अभिनेत्री ने विशेष रूप से उन लोगों को लेकर चिंता जताई, जिनके बारे में उनका मानना है कि वे युवा क ला का रों के प्रति नकारात्मक सोच रखते हैं। उनके इस बयान को उनके व्यक्तिगत अनुभवों से निकली एक स्पष्ट और बेबाक राय के तौर पर देखा जा रहा है।

क्या गोविंदा के बेटे यशवर्धन की जॉनी लीवर की बेटी से हो रही शादी? जेमी लीवर ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- वो मेरा छोटा भाई है

जेमी लीवर ने बताया कि जब यह फेक वीडियो क्लिप पहली बार उनके सामने आई तो वे इसे देखकर काफी हैरान और चकित रह गईं। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, 'मुझे पता है कि कई लोग मेरी शादी को लेकर चिंतित हैं। वे जानना चाहते हैं कि शादी कब हो रही है और इसी वजह से इंटरनेट पर कुछ फर्जी AI वीडियो तैयार करके फैलाए जा रहे हैं।' एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने अपने चचेरे भाइयों और बहनों के साथ इन फर्जी क्लिप्स को शेयर किया था और सभी ने इस पर जमकर ठहाके लगाए थे। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मुझे यह बहुत मजेदार लगा और मैंने इसका आनंद भी लिया। मेरे कजिन्स और मैं एक-दूसरे को ये वीडियो भेजकर हंस रहे थे। लेकिन अब स्थिति ऐसी बन गई है कि मुझे शादी की बधाई देने के लिए लोगों के फोन आने लगे हैं।' इंटरनेट पर तेजी से फैल रही इस जानकारी को खारिज करते हुए जेमी ने कहा कि यह अफवाह उनके निजी जीवन के लिए समस्याएं खड़ी कर रही है। शादी के इन फर्जी वीडियो और जानकारियों के कारण उनकी शादी के वास्तविक रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि अब जब उन वीडियो को पर्याप्त व्यूज मिल चुके हैं तो उन्हें हटा दिया जाना चाहिए। जेमी के इस स्पष्टीकरण के बाद अब शादी की तमाम अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है।

पुष्कर जोग ने तानिया चटर्जी संग केमिस्ट्री पर कहा- 'मैं बस अपने दर्शकों का मनोरंजन करना चाहता हूं'

म्यूजिक वीडियो की दुनिया में किसी गाने को हिट बनाने में सिर्फ उसकी धुन और बोल ही काफी नहीं होते। कलाकारों के बीच दिखने वाली केमिस्ट्री भी दर्शकों को गाने से जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाती है। अभिनेता पुष्कर जोग और अभिनेत्री तानिया चटर्जी की जोड़ी इन दिनों म्यूजिक वीडियो 'हाय रे हाय' में नजर आ रही है। इस गाने में दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों का ध्यान खींच रही है। पुष्कर ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में ऑन-स्क्रीन कनेक्शन को लेकर बात की और बताया है कि दोनों के बीच यह तालमेल कैसे बना। पुष्कर जोग से जब आईएएनएस ने पूछा कि म्यूजिक वीडियो में कम समय के अंदर किसी को-एक्टर के साथ नैचुरल केमिस्ट्री बनाना कितना मुश्किल होता है।

इस पर उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो अगर सामने अच्छा को-एक्टर हो तो इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत या वक्त की जरूरत नहीं पड़ती। दो कलाकारों के बीच सहजता और एक-दूसरे को समझने की क्षमता हो तो कैमरे के सामने कनेक्शन अपने आप नजर आने लगता है। तानिया के साथ काम करने का अनुभव मेरे लिए काफी सहज रहा।'' पुष्कर ने म्यूजिक वीडियो की पूरी टीम के काम को सराहा। उन्होंने खास तौर पर निर्देशक अभिजीत दानी की तारीफ करते हुए कहा, ''उन्होंने गाने को शानदार तरीके से पेश किया है।

निर्देशक ने गाने की एनर्जी को समझते हुए उसे पर्दे पर सही तरीके से उतारा। इसके अलावा शानदार कोरियोग्राफी ने डांस को मजेदार बना दिया। इसके बीट्स पहली बार सुनते ही दिल को छू जाएंगे और एक अलग तरह का कनेक्शन महसूस होगा। बीट्स सुनकर मेरा मन डांस करने का होने लगा था।'' पुष्कर ने कहा, ''मैं ड्राइव करते समय भी इस

गाने को सुनकर डांस करने लगता हूं। मेरे करियर की शुरुआत ही डांस से हुई थी। इसलिए मेरे लिए 'हाय रे हाय' सिर्फ एक म्यूजिक वीडियो नहीं है, बल्कि अपने पुराने डांस सफर को हिंदी दर्शकों के सामने पेश करने का एक मौका भी है। मैं चाहता था कि हिंदी दर्शक भी मेरे डांस से जुड़े इस पहलू को देखें और मुझे एक अलग अंदाज में जानें।'' अगर इस तरह का कोई गाना या डांस है, तो मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करते हैं।

सार समाचार

मॉस्को में व्लादिमीर पुतिन से मिले विदेश मंत्री एस जयशंकर

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस की दो दिवसीय यात्रा के लिए रूस की राजधानी मॉस्को पहुंच गए हैं। सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। इसके बाद जयशंकर ने व्लादिमीर पुतिन समेत रूस के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। आपको बता दें कि एस जयशंकर द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों समेत विभिन्न मुद्दों पर वार्ता के लिए दो दिनों के लिए मॉस्को की यात्रा पर पहुंचे हैं। व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- "मैं अपनी बात की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाओं के साथ करना चाहता हूं। पीएम मोदी ने मुझे एक निजी संदेश दिया है जिसे मैं आपको सौंपना चाहता हूं। हमारी इंटरगवर्नमेंटल कमीशन की बैठक हुई। मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमारे पास आपको देने के लिए एक अच्छी रिपोर्ट है। मुझे लगता है कि हमारे आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु और अन्य क्षेत्रों में भी काफी प्रगति हुई है और मुझे इनके बारे में विस्तार से बात करने में खुशी होगी। कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि हमारा आर्थिक सहयोग काफी बढ़ा है।" भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा- "प्रधानमंत्री मोदी SCO समिट में आपसे मिलने, फिर BRICS समिट के लिए भारत में आपका स्वागत करने और समय आने पर, आपकी आपसी सुविधा के अनुसार, सालाना समिट करने के लिए उत्सुक हैं। इसलिए हमारे पास पेश करने के लिए सहयोग की एक बहुत मजबूत तस्वीर है।"

सबसे बड़े आर्थिक अभियान से ईरान को अलग-थलग करेगा अमेरिका: स्कॉट बेसेंट

नई दिल्ली। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े आर्थिक अभियान की तैयारी कर ली है। इस अभियान का मकसद ईरान के आर्थिक संसाधनों और वित्तीय रास्तों को बंद कर उसे आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर दिया है, उसकी लगभग सभी सैन्य उत्पादन सुविधाओं को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को गंभीर झटका पहुंचाया है। अब हम इस संघर्ष के निर्णायक चरण में पहुंच रहे हैं। अब एक तरह का आर्थिक 'डी-डे' शुरू होगा, यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक हमला है।''

ईरान ने अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई के समर्थक देशों को दी 'युद्ध' की चेतावनी, कहा- मुंह तोड़ करेंगे पलटवार

अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध को लेकर दोनों ओर से बयानबाजी हो रही है। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नए प्रमुख मोहसिन रेजाई ने रविवार को चेतावनी दी है। रेजाई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई का समर्थन करने वाले किसी भी देश के कदम को 'युद्ध' माना जाएगा। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन का बचाव किया। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के कट्टरपंथी नेता मोहसिन रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह चेतावनी दी। उन्होंने सरकारी प्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा, 'अगर (डोनाल्ड ट्रंप) कुछ करना चाहते हैं, तो हम भी मुंह तोड़ पलटवार करेंगे।' दूसरी ओर, अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट सोमवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा कर सकते हैं। इस बीच, मध्यस्थों के जरिए वार्ता फिर शुरू कराने के प्रयासों के तहत पाकिस्तान के सेना प्रमुख भी सोमवार को ईरान की यात्रा कर सकते हैं। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर सोमवार को तेहरान पहुंचेंगे और एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। हाल ही में गठित एक ईरानी प्राधिकरण ने ढेरों ऐसे जहाजों की सूची जारी की है, जिन्हें भविष्य में इस मार्ग से गुजरने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। पेजेश्कियान ने अपने भाषण में कहा, 'इस समझौते में ऐसा एक भी प्रावधान नहीं है, जिसे आत्मसमर्पण के रूप में देखा जा सके।

कनाडा आज करेगा जवाबी टैरिफ का ऐलान, ट्रंप की धमकी पर बोले कार्नी-'हमारा देश अमेरिका का गुलाम नहीं'

टोरंटो। ट्रंप टैरिफ बम फोड़कर दुनिया में अमेरिकी बादशाहत का परचम बुलंद रखना चाहते हैं। दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। ताजा मामला कनाडा का है। ट्रंप ने कनाडा पर करीब 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की तो अब जवाब में कनाडा ने भी पलटवार करने का फैसला किया है। कनाडा आज अमेरिका पर टैरिफ लगाने का ऐलान करेगा। हालांकि इससे पहले दोनों देशों के बीच ट्रेड को लेकर बातचीत भी हुई। लेकिन इस बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच आखिरी कोशिश के तौर पर जारी वार्ता भी विफल हो गई। अब दोनों देश ट्रेड फाइट में उलझते जा रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने वाशिंगटन पर बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका, कनाडा को अपना "अधीनस्थ" (Subsidiary) बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। कनाडा अमेरिका का गुलाम नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कनाडा अब डॉलर के बदले डॉलर (बराबर टैरिफ) की नीति से आगे बढ़कर ऐसे टारगेटेड कदम उठाएगा, जिससे कनाडा के श्रमिकों और व्यवसायों की सुरक्षा की जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विवाद को और तूल दे दिया जब उन्होंने कनाडा के नेतृत्व को चैलेंज कर दिया। उन्होंने कनाडा के मौजूदा नेतृत्व को रास्ते पर आने की हिदायत दी साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं होता है तो मौजूदा टैरिफ से "बहुत बुरे" नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें। ट्रंप ने करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के कनाडाई वाहनों, ऑटो पार्ट्स और स्टील पर 50 प्रतिशत तक का नया टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यह टैरिफ अगले साल से लागू होगा। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ऐसी शर्तें रखी गईं जो मानने लायक नहीं थीं। यह आर्थिक तौर पर अनुचित थी और कनाडा के हित में तो बिल्कुल नहीं थीं। हर कोई इस आर्थिक युद्ध में शामिल है।

ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ लिया एक्शन, 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का किया ऐलान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा की गाड़ियों, कार के पार्ट्स और स्टील पर अगले साल (1 जनवरी) से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी। यह घोषणा पिछले हफ़्ते सहयोगी और भरोसेमंद व्यापारिक साझेदारों के बीच व्यापार वार्ता के विफल होने के बाद की गई है। बातचीत टूटने के बाद कनाडा के कई सामानों पर अमेरिका के लंबे समय से नियोजित टैरिफ लागू हो गए, और कनाडा ने जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। ट्रंप ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर लिखा, "कनाडा बरसों से अमेरिका को ठग रहा है।" अमेरिकी किसानों पर कनाडा के "बेहद ज़्यादा टैरिफ" की आलोचना करते हुए ट्रंप ने लिखाः "यह टिकाऊ नहीं है, और अब और नहीं!" ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपनी पोस्ट में कहा, "कनाडा सालों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है। हमारे किसानों और कृषि उत्पादों पर उनके बहुत ज़्यादा टैरिफ ने इन महान अमेरिकी देशभक्तों का जीवन मुश्किल बना दिया है और लंबे समय से हमारे दोनों देशों के बीच 60 अरब डॉलर का घाटा पैदा किया है। यह स्थिति अब और नहीं चल सकती! 1 जनवरी, 2027 से सभी कारों, ट्रकों (बड़े और छोटे दोनों), ऑटोमोटिव पार्ट्स और स्टील पर टैरिफ बढ़ाकर 50% कर दिया जाएगा। अमेरिका में सामान बनाएं और जीरो टैरिफ पाएं। कनाडा के साथ अब किसी राज्य जैसा व्यवहार नहीं किया जाएगा!" अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कनाडा पर व्यापार के मामले में निपटने के लिए सबसे मुश्किल देशों में से एक होने का आरोप लगाया। नए टैरिफ की घोषणा से उन उद्योगों के लिए अनिश्चितता और बढ़ गई है जो US-कनाडा सीमा के आर-पार गहराई से जुड़े हुए हैं।

सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए दो महीने में आएंगे नए नियम: पीयूष गोयल

टोक्यो। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अपनी भूमिका को और मजबूत बनाने के लिए कम से कम आठ से नौ देशों और देश समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। इन अर्थव्यवस्थाओं का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग 15 ट्रिलियन डॉलर है। उनका कहना है कि इन समझौतों के लागू होने के बाद भारत के एफटीए नेटवर्क का दायरा वैश्विक व्यापार के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से तक पहुंच सकता है। टोक्यो में भारत और जापान के उद्योग प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत द्वारा पहले से किए गए और हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौतों ने लगभग 70 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त जीडीपी वाली अर्थव्यवस्थाओं तक भारतीय कंपनियों की पहुंच सुनिश्चित की है।

वर्तमान में चल रही वार्ताओं के सफल होने के बाद यह दायरा और व्यापक हो जाएगा।

उन्होंने कहा, "हमारे मुक्त व्यापार समझौतों के जरिए वैश्विक व्यापार का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा कवर होगा। इससे भारत एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकेगा।"

गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले चार वर्षों में नौ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो लगभग 60 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाओं और 38 विकसित देशों को कवर करते हैं।

इसके अतिरिक्त जापान, दक्षिण कोरिया और आसियान देशों के साथ पहले से मौजूद व्यापार समझौते करीब 10 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत के व्यापार समझौते दुनिया की लगभग 70 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच उपलब्ध करा रहे हैं और आगामी समझौतों से इसमें और विस्तार होगा।

होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला : इंजन रूम क्षतिग्रस्त

दुबई/मस्कट। सामरिक और व्यापारिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' (Strait of Hormuz) में एक तेल टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हवाई मिसाइल/ड्रोन या विस्फोटक प्रक्षेप्य) से हमला होने का मामला सामने आया है। ब्रिटिश मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, हमले के कारण तेल टैंकर का इंजन रूम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे जहाज की गति रुक गई और वह समुद्र में डिसेबल (अचल) हो गया। यह हमला ओमान के समुद्री जलक्षेत्र में स्थित अल-शीशा (Al-Shishah) इलाके से लगभग 16 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हुआ। कैप्टन ने बताया कि किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल के सीधे इंजन रूम से टकराने के बाद विस्फोट और क्षति हुई, जिससे जहाज का पावर व इंजन सिस्टम ठप हो गया। चालक दल सुरक्षितः राहत की बात यह रही कि हमले के बावजूद जहाज पर मौजूद चालक दल (क्रू) के सभी सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस घटना से ठीक एक दिन पहले भी UKMTO ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को लेकर सतर्कता संबंधी एडवाइजरी जारी की थी। समुद्री सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, पिछले 48 घंटों के दौरान भू-राजनीतिक तनाव और जोखिम के चलते इस प्रमुख तेल परिवहन मार्ग पर व्यापारिक जहाजों का यातायात अपेक्षाकृत कम दर्ज किया गया है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा एजेंसियां मामले की बारीकी से जांच कर रही हैं तथा मार्ग से गुजरने वाले अन्य जहाजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्की वाले 'मक्का पैक्ट' में ईरान भी होगा शामिल? ईरानी विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

हाल ही पाकिस्तान-सऊदी अरब और तुर्की के बीच मक्का समझौता हुआ है। इस बीच ईरान के भी इस समझौते में शामिल होने की अटकलें लग रही हैं। हालांकि ईरान ने कहा है कि उसे सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मक्का समझौते में शामिल होने का निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रस्ताव जरूर दिए गए हैं। ये बातें ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। उन्होंने कहा, "हमें मक्का समझौते में शामिल होने का निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन इन देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा के लिए प्रस्ताव रखे गए हैं।" बता दें कि मक्का रक्षा समझौते पर 7 अगस्त को मक्का में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का मकसद तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और सामूहिक प्रतिरोध को मजबूत करना है। शिखर सम्मेलन के बयान के अनुसार, तीनों हस्ताक्षरकर्ता देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमले को तीनों पर हमला माना जाएगा।

हालांकि इस समझौते में विस्तृत ऑपरेशनल या सैन्य प्रतिबद्धताओं का जिक्र नहीं है, लेकिन यह बेहतर रक्षा सहयोग के लिए एक ढांचा तैयार करता है और क्षेत्र व उसके बाहर शांति, स्थिरता और सुरक्षा को अपने व्यापक लक्ष्यों के रूप में पहचानता है। यह समझौता पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संघर्षों के बीच हुआ, जबकि यह क्षेत्र कई सुरक्षा चुनौतियों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता का सामना कर रहा है। हालांकि इससे पहले अगस्त में ही, पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के बीच बने नए त्रिपक्षीय रक्षा समझौते पर बात करते हुए बकाई ने कहा था कि यह समझौता क्षेत्रीय सोच में एक बुनियादी बदलाव का संकेत है, जो यह साबित करता है कि मिडिल-ईस्ट के देशों को यह एहसास हो गया है कि "सुरक्षा कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे झूठे सुरक्षा दलालों से खरीदा जा सके"।

हालांकि, जेरूसलम पोस्ट में छपे एक विश्लेषण के अनुसार, यह समूह अपनी पहली बड़ी परीक्षा में विफल होता दिख रहा है। यमन के ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने जब जाज़ान में अरामको रिफाइनरी पर हमला किया, तो इस नए बने गठबंधन ने हमले का कोई ठोस सैन्य जवाब नहीं दिया और न ही कोई चेतावनी दी।

अमेरिका की मध्यस्थता में सीरिया और इजरायल की जॉर्डन में बातचीत

दमिश्क। जॉर्डन में अमेरिका की मध्यस्थता में रविवार को सीरिया और इजरायल के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत हुई। इस बैठक में तनाव कम करने और सुरक्षा समझौते की दिशा में फिर से बातचीत शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना ने एक राजनयिक सूत्र के हवाले से बताया कि सीरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मामलों के प्रमुख असाद अल-शैबानी ने किया। इसमें देश की सामान्य और सैन्य खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी शामिल थे। वहीं, इजरायल की ओर से एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन में आयोजित यह बैठक हाल के दिनों में सीरियाई क्षेत्र पर इजरायली हमलों और दक्षिणी सीरिया में बढ़ते तनाव के बाद हालात को शांत करने की कोशिशों का हिस्सा थी। इसका मकसद सीरिया और पूरे क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देना भी था। बातचीत के दौरान ऐसे व्यावहारिक उपायों पर चर्चा हुई जिनसे इजरायल के हमलों, गिरफ्तारियों और निशाना बनाकर की जाने वाली कार्रवाइयों को रोका जा सके। साथ ही, सुरक्षा समझौते तक पहुंचने के उद्देश्य से वार्ता को फिर से शुरू करने पर भी बात हुई, जो भविष्य में किसी व्यापक समझौते की नींव बन सकता है। सीरियाई प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सीरिया एक संप्रभु देश है और उसे अपनी राष्ट्रीय सेना का पुनर्निर्माण और विकास करने का पूरा अधिकार है। साथ ही, वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार अपने सहयोगी और साझेदार चुन सकता है।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की मौजूदगी में बोले ईरानी राष्ट्रपति: दबाव और धौंस से नहीं चलेगा काम

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सोमवार शाम पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से तेहरान में उच्चस्तरीय मुलाकात की। इस बैठक के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि वह ईरान के प्रति अपने लहजे और आक्रामक रवैये में बदलाव लाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दबाव, प्रतिबंधों और धौंस के जरिए आगे बढ़ने की नीति से समझौतों को लागू करने की प्रक्रिया केवल जटिल और बाधित ही होगी। 'इस्लामाबाद समझौते और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करे वाशिंगटन' ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी IRNA के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा कि अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय मानकों और विधि सम्मत नियमों के आधार पर ईरान के प्रति अपनी सभी प्रतिबद्धताओं का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने अमेरिका से 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' (Islamabad MoU) की शर्तों का पूरी तरह पालन करने का आग्रह किया। यह समझौता इसी वर्ष जून माह में पाकिस्तान की मध्यस्थता से ईरान और अमेरिका के बीच संपन्न हुआ था। बैठक के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान का विशेष आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच निरंतर राजनयिक और रणनीतिक सहयोग से इस्लामाबाद समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने और क्षेत्रीय शांति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। जनरल आसिम मुनीर के तेहरान दौरे के दौरान ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगर ग़ालिबाफ़ और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसिन रेज़ाई ने भी उनसे अलग-अलग बैठकों में बातचीत की।

खेल समाचार

नाइटक्लब विवाद के बाद भड़के कप्तान जो रूट, कहा- ऑफ-फील्ड बेवकूफियों से तंग आ चुका हूं

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स से बेहद नाराज और निराश हैं। कार्स पर डर्बी शहर के एक नाइटक्लब के बाहर हुई घटना को लेकर जांच चल रही है। जो रूट ने अभी हाल ही में दोबारा टीम की कप्तानी संभाली है। उन्होंने साफ कहा कि खिलाड़ियों की मैदान से बाहर की जाने वाली ऐसी बेवकूफी भरी हरकतों से वह बहुत तंग आ चुके हैं। नाइट क्लब विवाद के बाद कार्स को 27 अगस्त से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की टीम से बाहर कर दिया गया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें ब्रायडन कार्स को हथकड़ी लगी हुई दिख रही थी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने मामले को क्रिकेट रेगुलेटर के पास भेजा, जो अब इस पूरी घटना की जांच कर रही है। इस विवाद के चलते कार्स को इंग्लैंड की टीम से बाहर कर दिया गया है और उनकी जगह युवा गेंदबाज सॉनी बेकर को टीम में शामिल किया गया है। कार्स को पहले टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। मंगलवार (25 अगस्त) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो रूट ने खुलकर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि अगर मैं बिल्कुल साफ-साफ कहूं, तो मैं इस बात से बहुत ज्यादा नाराज और निराश हूं।

'इंग्लैंड टीम में कंपकंपी दौड़ जाए', ब्रायडन कार्स विवाद पर माइकल वॉन ने की सख्त सजा की मांग

नई दिल्ली। ब्रायडन कार्स के शराब पीने के विवाद में शामिल होने के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने ऐसी सजा की मांग की है जिससे पूरी इंग्लैंड क्रिकेट टीम में कंपकंपी दौड़ जाए। वॉन ने कहा, "किसी को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जिससे पूरी इंग्लैंड क्रिकेट टीम को सिहरन हो, ताकि सभी को पता चले कि अगर आप गलत व्यवहार करते हैं या इस टीम के साथ किसी भी तरह की बदनामी करते हैं, तो आपको पता है कि क्या होने वाला है। यह एकमात्र ऐसी सजा है जिससे खिलाड़ियों को सच में दुख होगा।" पूर्व कप्तान ने कहा कि अगर पिछले साल की दूसरी घटनाओं के बाद कार्स को एक उदाहरण बनाया जाता है तो उन्हें उनके लिए बुरा लगेगा। मुझे उम्मीद है कि कार्स को अपने आस-पास अच्छा समर्थन मिल रहा है। वह एक ऐसा कैरेक्टर है कि अगर आप उसे थोड़ी छूट देंगे तो वह बहुत ज्यादा झेल लेगा। उसे अपने आस-पास ऐसे लोगों की जरूरत है जो उसे बेहतर सलाह दे सकें। उन्होंने कहा, "अगर पिछले नौ महीनों में जो कुछ हुआ है, उसके लिए कार्स को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो मुझे दुख होगा, लेकिन कहीं न कहीं, किसी न किसी तरह, कुछ ऐसा करना होगा जिससे एक मिसाल बने कि वे अब उस तरह का बर्ताव बर्दाश्त नहीं करेंगे।" कार्स का मामला इंग्लैंड क्रिकेट की नाइट क्लब घटनाओं की सूची में सबसे नया है।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली त्रिशा-गायत्री की जोड़ी को रैंकिंग में फायदा

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की स्टार भारतीय जोड़ी को ड़ा फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में यह स्टार महिला डबल्स जोड़ी 39वें नंबर से 12 पायदान ऊपर चढ़कर दुनिया की 27वीं जोड़ी बन गई है।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने भारत में आयोजित बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए एकमात्र पदक जीता। यह जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची और ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के 2011 में कांस्य पदक जीतने के बाद चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला डबल्स जोड़ी बन गई। ताजा रैंकिंग में दोनों के नाम 44,192 पॉइंट्स हो गए हैं। पिछले सप्ताह की रैंकिंग में वे 33,692 पॉइंट्स के साथ वर्ल्ड में 39वें नंबर पर थीं। त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चौथी सीड वाली चीनी जोड़ी जिया यी फैन और झांग शू जियान को हराया था। यह एक शानदार जीत थी जिससे उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 16-21, 21-15, 21-13 से जीता था।

विमेंस डीपीएल: रोमांचक मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली। विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने मंगलवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ 3 विकेट से जीत हासिल की। अरुण जेटली स्टेडियम में 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 19.5 ओवर में 141/7 रन बनाते हुए एक गेंद शेष रहते रोमांचक जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 7 विकेट गंवाकर 140 रन बनाए। टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में वंशिका लीला और सिमरन बहादुर ने अहम भूमिका रही। लीला ने 20 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 39 रन की पारी खेली, जबकि बहादुर 37 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 39 रन बनाकर आउट हुईं। इनके अलावा, प्रज्ञा रावत ने 20 गेंदों में 23 रन बनाए और पूर्वा सिवाच ने 21 रन का अहम योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से नजमा ने चार ओवरों में सिर्फ 13 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि शिवानी जांगिड़ ने दो विकेट निकाले। इनके अलावा, रशिका बेनीवाल को 1 विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स शुरुआत में लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि टीम ने 25 के स्कोर तक 3 विकेट गंवा दिए। यहां से शिवी शर्मा ने 37 गेंदों में 34 रन की संयमित पारी खेलकर टीम को संभाला। इसके बाद नजमा ने 21 गेंदों में 34 रन की आक्रामक पारी खेलकर टीम की रन गति बढ़ाई। उनकी इस पारी में 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। मैच के रोमांचक मोड़ पर समायरा राघव ने जिम्मेदारी संभाली और 21 गेंदों में 2 चौकों और इतने ही छक्कों के साथ नाबाद 34 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। रेशिका बेनीवाल ने 12 गेंदों में 14 रन बनाए, जिसके बाद रिया शोकीन ने सिर्फ छह गेंदों में 11 महत्वपूर्ण रन जोड़े। आखिरी ओवर में शोकीन के आउट होने पर नॉर्थ दिल्ली को छह रन की दरकार थी, लेकिन समायरा और प्रिया मिश्रा ने एक गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। ईस्ट दिल्ली राइडर्स के लिए सिमरन बहादुर और तमन्ना सिंह ने 2-2 विकेट लिए, जबकि भारती रावल और पूर्वा सिवाच को 1-1 विकेट हाथ लगा। महिला दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में मंगलवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को तीन विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली ने 141 रन के लक्ष्य को 19.5 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम को जीत के लिए आखिरी ओवर तक संघर्ष करना पड़ा, लेकिन समायरा राघव की नाबाद पारी ने मुकाबला नॉर्थ दिल्ली के पक्ष में कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 140 रन बनाए। वंशिका लीला ने तेज शुरुआत दिलाते हुए 20 गेंदों में 39 रन बनाए। उनकी पारी में तीन चौके और चार छक्के शामिल रहे। सिमरन बहादुर ने भी 37 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। प्रज्ञा रावत ने 20 गेंदों में 23 और पूर्वा सिवाच ने 21 रन का योगदान दिया। नॉर्थ दिल्ली की ओर से गेंदबाजी में नजमा सबसे प्रभावी रहीं। उन्होंने चार ओवर में महज 13 रन देकर तीन विकेट चटकाए। शिवानी जांगिड़ को दो सफलता मिली। इसके बावजूद ईस्ट दिल्ली के बल्लेबाजों ने आखिरी ओवरों में उपयोगी रन जोड़कर 140 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा कर दिया।

बायर्न म्यूनिख को झटका, स्वास्थ्य कारणों के चलते स्टटगार्ट के खिलाफ नहीं उतरेंगे मुसियाला

म्यूनिख। बुंडेसलिगा चैंपियन बायर्न म्यूनिख स्टटगार्ट के खिलाफ अपने अभियान के शुरुआती मैच में मिडफील्डर जमाल मुसियाला के बगैर ही उतरेगी। जर्मन स्टार एक न्यूरोलॉजिकल समस्या से उबर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें कुछ समय के लिए 'एब्सेंस सीजर' का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में उन्हें दो बार बेहोश होने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उन्हें कुछ और समय का आराम दिया जाएगा। मुसियाला 15 अगस्त को लीपजिग के खिलाफ फ्रेंडली मैच के दौरान मैदान पर गिर पड़े थे। ठीक तीन दिन बाद, उन्हें हाइडेनहेम के खिलाफ भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा। स्पेनिश अखबार 'एएस' की रिपोर्ट के अनुसार, जारी रिहैबिलिटेशन और निगरानी के कारण वे सीजन की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे। मुसियाला इससे पहले जर्मन सुपर कप मैच भी नहीं खेल सके थे, और उनकी वापसी की तारीख अभी पता नहीं है। इस बीच, प्री-सीजन मुकाबले में दो बार बेहोश होने के बाद, मिडफील्डर ने अपनी स्थिति के बारे में खुलकर बात की और इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को अपनी न्यूरोलॉजिकल समस्या के बारे में जानकारी दी। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, "सबसे पहले, मैं ठीक हूं। मैं आपके सभी संदेशों और समर्थन के लिए विशेष रूप से आभारी हूं। आप में से कई लोग चिंतित हैं। आज मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं और स्थिति के बारे में थोड़ा बताना चाहता हूं। मुझे 'शॉर्ट और टेम्परेरी एब्सेंस सीजर' का पता चला है, लेकिन इनका आसानी से इलाज किया जा सकता है और ये एक न्यूरोलॉजिकल विकार के कारण होते हैं।" 22 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पष्ट किया कि उनकी इस स्थिति से सेहत को कोई अतिरिक्त खतरा नहीं है, और उन्हें क्लब का पूरा समर्थन मिला है। उन्होंने कहा, "महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके अलावा सेहत को कोई खतरा नहीं है। विशेषज्ञों के साथ करीबी तालमेल और नियमित बातचीत के बाद, मेरी व्यक्तिगत इच्छा इस चुनौती का सामना करने की रही है। बस अपनी रोजमर्रा की जिंदगी जीना और फुटबॉल के प्रति अपने जुनून को जारी रखना। मैंने इसकी जिम्मेदारी ली है।"

भारत बनाम श्रीलंका: आचार संहिता के उल्लंघन के लिए प्रभात जयसूर्या को आईसीसी ने फटकारा

कोलंबो। भारत के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच में आउट होने के बाद की गई हरकत के लिए श्रीलंकाई स्पिनर प्रभात जयसूर्या को दंडित किया गया है। आईसीसी ने मंगलवार को श्रीलंकाई खिलाड़ी को आधिकारिक फटकार लगाई गई और एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया। जयसूर्या को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। यह सजा दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के अंत में स्पिनर की हरकत के बाद दी गई है। जयसूर्या को बतौर नाइटवॉचमैन मैदान पर भेजा गया था और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने उन्हें आउट किया। पवेलियन लौटते समय उन्होंने अपने बल्ले से बाउंड्री वेज (विज्ञापन बोर्ड) पर मारा और गुस्से में अपने ग्लव्स भी फेंक दिए। हालांकि, खिलाड़ी ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की तरफ से प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर अहसान रजा और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर रॉड टकर और फोर्थ अंपायर प्रगीथ रामबुकवेला ने लगाया था। सुथार द्वारा एलबीडब्ल्यू (एलबीडब्ल्यू) आउट किए जाने के बाद जयसूर्या निराश थे। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने रिव्यू लिया, लेकिन गेंद बल्ले से पहले पैड पर लगी थी और अंपायर्स कॉल लागू हुआ। इसका मतलब था कि ऑन-फील्ड आउट का फैसला बरकरार रहा और भारत के 503/9 (पारी घोषित) के जवाब में श्रीलंका ने दिन के आखिरी तीन ओवरों में अपना दूसरा विकेट गंवा दिया और उनका स्कोर 8/2 हो गया। दोनों के बीच तीखी बहस हुई और उनके सिर आपस में टकराए, लेकिन उन्हें तुरंत अलग कर दिया गया।

चेल्सी ने फुलहम को 3-2 से हराया, मैनेजर जाबी अलोंसो की शानदार शुरुआत

चेल्सी ने सोमवार को हुए एक रोमांचक मुकाबले में फुलहम पर 3-2 की जीत दर्ज की। चेल्सी की जीत में कोल पामर की भूमिका अहम रही। वहीं, चेल्सी के साथ जाबी अलोंसो के करियर की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में हुई। चेल्सी के लिए जोआओ पेड्रो ने मैच के पहले मिनट में गोल किया। फुलहम की तरफ से जोश किंग ने 23वें मिनट में गोल किया और टीम को बराबरी पर ले आए। इसके बाद चेल्सी के लिए लगातार 2 गोल हुए।

मॉर्गन रोजर्स ने 41वें और कोले पामर ने 49वें वें मिनट में गोल किया। पामर के गोल के बाद चेल्सी की बढ़त 3-1 की हो गई थी। लेकिन, फुलहम की तरफ से गोंजालिजो ग्रेसिया ने 54वें मिनट में गोल कर फुलहम की वापसी की उम्मीदों को जिंदा किया। हालांकि, इसके बाद टीम की तरफ से और कोई गोल नहीं हो सका और फुलहम को चेल्सी ने 3-2 से हरा दिया। चेल्सी के मैनेजर जाबी अलोंसो के बतौर कोच सफर की शुरुआत शानदार रही। उन्होंने चेल्सी के अटैक की क्वालिटी का इस्तेमाल किया और उन्होंने सेटअप को अपनी तेजी दिखाने का मौका दिया। हालांकि, कुछ खिलाड़ियों को अभी भी सिस्टम के हिसाब से ढलने की जरूरत है, लेकिन कुल मिलाकर यह अच्छे संकेत हैं।

श्रीलंका पर पारी की हार का खतरा, फॉलोऑन बचाने के लिए कितने और रन बनाने होंगे

श्रीलंका पर अब भारत के खिलाफ पारी की हार का संकट खड़ा हो गया है। टीम अभी तक फॉलोऑन के खतरे में है। अब तक तीन दिन का खेल हो गया है और टीम इंडिया ने मजबूत पकड़ बना रखी है। अब मैच के चौथे दिन श्रीलंका पहला लक्ष्य फॉलोऑन को टालने का होगा। अगर ये बच गया तो फिर भारतीय टीम के लिए मैच जीतना आसान नहीं होगा। इस बीच बारिश भी बीच बीच में खलल डाल रही है, जो कि संकट का सबब बना हुआ है। भारत बनाम श्रीलंका कोलंबो दूसरा टेस्ट अब रोचक दौर में पहुंच चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जब तीसरे दिन का खेल खत्म हुआ, तब तक श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 265 रन बना लिए थे। लाहिरु कुमारा 8 और सोनल 85 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए थे।

श्रीलंकाई टीम अभी भी भारत के स्कोर से 238 रन पीछे है। अब ये से भारत के स्कोर की बराबरी तो नहीं हो सकती, लेकिन इतना जरूर है कि फॉलोऑन बचाया जाए। भारत ने अपनी पहली पारी में 503 रन बनाए थे, ऐसे में श्रीलंकाई टीम को फॉलोऑन बचाने के लिए कम से कम 304 रन बनाने होंगे। यानी यहां से भी श्रीलंका को 39 रन और चाहिए होंगे। अब श्रीलंका की सारी उम्मीदें सोनल दिनुशा पर टिकी होंगी, जो इस वक्त 85 रन पर खेल रहे हैं और धीरे धीरे अपने शतक की ओर भी बढ़ रहे हैं। सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में भी सोनल दिनुशा ने 100 रनों की जबरदस्त पारी खेली थी। यानी टीम इंडिया चाहेगी कि जल्द से जल्द सोनल को आउट किया जाए। इस बीच वैसे तो अभी दो दिन का वक्त मैच बचा हुआ है, लेकिन बारिश के कारण पता नहीं कितने और ओवर हो पाएंगे। तीसरे दिन भी करीब सवा छह बजे तक मैच होना था, जोकि कि साढ़े पांच बजे से पहले ही खत्म हो गया। इस दौरान कौन सी टीम बाजी मारती है, ये देखना काफी दिलचस्प होगा।

सरफराज खान ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर किए कमेंट, वीडियो में कैद हो गई सारी बातें

सरफराज खान भारत बनाम श्रीलंका सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में शामिल नहीं थे, लेकिन अचानक उनकी एंट्री हो गई। हालांकि इसके बाद भी उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। लेकिन उन्हें फील्डिंग के लिए आना पड़ा। मैच के तीसरे दिन वे श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर कमेंट करते हुए देखे गए। सरफराज ने जो कुछ भी कहा, वो सारी बातें वीडियो में कैद हो गई हैं। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा और अहम मुकाबला खेला जा रहा है। मैच के तीसरे दिन ऋषभ पंत नहीं उतरे। बैटिंग के दौरान उनकी कलाई में चोट लग गई थी। उनकी जगह कीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत निभा रहे हैं। साथ ही फील्डिंग के लिए सरफराज खान आए। तीसरे दिन जब आखिरी सेशन का खेल हो रहा था, तब भारत को जल्द विकेट की जरूरत थी, लेकिन श्रीलंकाई बल्लेबाज ऐसा लग रहा था कि समय बर्बाद करना चाहते थे। ऐसे में सरफराज खान ने कुछ कमेंट श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर किए, ताकि उनका ध्यान भंग हो और वे आउट हो जाएं। जहां एक ओर सरफराज तंज कर रहे थे, वहीं कुछ मजाकिया टिप्पणी भी कीं।

क्या आप भी कंफ्यूज हैं कि एयर फ्रायर लें या नहीं, तो ये खबर आपके लिए है, सारे Doubt दूर हो जाएंगे

आजकल हेल्दी कुकिंग के लिए लोग एयर फ्रायर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियोज भी वायरल होते रहते हैं जिसमें एयर फ्रायर के नुकसान और इसे कैंसरस तक बता दिया जाता है। ऐसे में दिमाग में सवाल आता है कि एयर फ्रायर लें या नहीं लें। आज आपने मन में आने वाले इन्हीं सवालो के जवाब खुद डॉक्टर दे रहे हैं। डॉक्टर अंशुमान कौशल ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो बता रहे हैं किन लोगों को एयर फ्रायर लेना चाहिए और किन लोगों को एयर फ्रायर के उपर एक रुपया भी वेस्ट नहीं करना चाहिए। एयर फ्रायर खरीदने से लेकर इसके फायदे नुकसान के बारे में सारी जानकारी दे रहे हैं। डॉक्टर अंशुमान कौशल के मुताबिक एयर फ्रायर एक कॉम्पेक्ट हाई स्पीड कनवेक्शन अवन है। जिसमें एक हीटिंग कॉइल और एक पावरफुल फैन और गरम हवा जो 200 डिग्री सेल्सियस तक लगातार खाने के चारों और घूमती रहती है। जब हाई हीट पर फूड रिएक्शन होता है तो मेलार्ड रियक्शन होता है, जो खाने को टेस्ट और कलर देता है। लेकिन कुछ केसेज में एक्रालामाइट फार्मेशन भी हो सकता है, खासतौर से स्टार्ची फूट जैसे आलू में, इसलिए ओवर कुकिंग अवोइड करना जरूरी है। अगर आप तेल में तली हुई कचौड़ी समोसे जैसे स्वाद की उम्मीद कर रहे तो वो नहीं मिलेगा। लेकिन इसमें चिकन, फिश, पनीर, वेजीज, मखाना, फ्राइज, कटलेट, नगेट्स, और पिज्जा बहुत अच्छे बनते हैं, लेकिन फ्रेश जलेबी, भटूरे, पूड़ी, पकोड़े और क्रिस्पी समोसे का स्वाद फीका लगेगा। अगर आप हॉस्टल में रहते हैं, बैचलर हैं, वर्किंग कपल हैं या छोटी फैमिली वाले हैं तो एयर फ्रायर आपके लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। 10 मिनट में पनीर, 12 मिनट में चिकन, लेफ्टओवर पिज्जा फिर से क्रिस्पी करना हो या सुबह दौड़ते भागते ब्रेड टोस्ट बनाना हो, शाम को भुना मखाना खाना हो तो ये अच्छा ऑप्शन है। कम तेल, कम स्मैल, कम किचन क्लीनिंग लेकिन अगर घर में रोज 8-10 लोगों का खाना बनता है और हर हर दूसरे दिन पकोड़े समोसे की पार्टी होती है तो ये आपके काम की चीज नहीं है। ऐसा नहीं है। अगर आप 2-4 की फैमिली हैं तो 2-4. 4-6 लीटर वाला एयर फ्रायर काफी है. बड़ी फैमिली है तो 6-8 लीटर काफी है।

डॉक्टर ने बताया H1N1 से बचाव के लिए कैसी होनी चाहिए डाइट?

देश की राजधानी दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस साल दिल्ली में अब तक लगभग स्वाइन फ्लू के 2,000 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके है। यह संख्या पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। हालांकि, दिल्ली में अभी तक मौत का मामला सामने नहीं आया है। लेकिन, बड़ी संख्या में लोग दिल्ली एनसीआर में संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में इंडिया टीवी पर डॉक्टर्स के पैनल ने बताया है कि स्वाइन फ्लू के लक्षणों की पहचान कैसे करें और किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। साथ ही डॉक्टर्स के मुताबिक, कमजोर इम्यूनिटी भी H1N1 वायरस के बढ़ते संक्रमण के पीछे एक बहुत बड़ी वजह है। ऐसे में डॉक्टर्स बता रहे हैं कि इस स्थिति में आपका खानपान कैसा होना चाहिए और डाइट में क्या शामिल करें जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत हो? मणिपाल अस्पताल की इंटरनल मेडिसन विशेषज्ञ, डॉक्टर स्वाति माहेश्वरी, कहती हैं कि कमजोर इम्यूनिटी की वजह से स्वाइन फ्लू का खतरा बढ़ता है। खराब खानपान जैसे जंक, प्रोसेस्ड और शुगरी फूड्स का सेवन आपके इम्यूनिटी को स्लो कर देता है। इसलिए हेल्दी और बीमारी से दूर रहने के लिए अपनी डाइट में इन चीजों से दूरी बनाए। डॉक्टर स्वाति माहेश्वरी, कहती हैं कि अगर आप इस संक्रमण से अपना बचवा करना चाहते हैं तो अपनी डाइट में संतरा, नींबू, मौसमी, कीवी, पपीता और बेरीज जैसे विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फलों को शामिल करें। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही भरपूर मात्रा में पानी पिएं। पानी की कमी शरीर को डिहाइड्रेटेड करती है इसलिए पर्याप्त मात्रा ने पानी पीना जरूरी है। डॉक्टर स्वाति माहेश्वरी, कहती हैं कि डाइट अच्छी करने के साथ ही कुछ चीजों का आप खास तौर पर ध्यान दें। शराब और धूम्रपान का सेवन बंद करें। इन्हें छोड़ने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और H1N1 वायरस से लड़ने में मदद मिलती है। बिना मास्क पहनें घर से बाहर न निकलें। अगर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो मास्क जरूर पहनें। भीड़ भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें। बाहर से आने के बाद आपने हाथ को अच्छी तरह से धोएं। भरपूर नींद लेना भी जरूरी है। दिल्ली में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच चिकित्सकों ने लोगों से सावधानी बरतने और शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी है।

इस चीज में है धमनियों में जमे कोलेस्ट्रॉल को सोखने का दम

शरीर में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना हाई बीपी की समस्या का कारण बन सकता है। दरअसल, जब आप हाई फैट वाले फूड्स को खाते हैं तो इनसे निकलने वाले फैट के कण और ट्राइग्लिसराइड्स धमनियों से जाकर चिपने लगते हैं और इससे धमनियां अंदर से संकुचित हो जाती हैं। इससे होता ये है कि शरीर से खून को निकलने के लिए जगह नहीं मिलती और बीपी बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी ये है कि आप हाई फाइबर वाले फूड्स को खाएं जो कि धमनियों को अंदर से साफ करने में मदद करते हैं। इससे शरीर की गंदगी डिटॉक्स हो जाती है और बीपी बैलेंस करने में मदद मिलती है। चिया सीड्स की खास बात ये है कि ये जैली जैसा कंपाउंड बनाता है जो कि धमनियों में जमा कोलेस्ट्रॉल के कणों से चिपक जाते हैं। फिर ये पानी के साथ फ्लश ऑउट होते हुए बाहर आते हैं और इस प्रकार से फैट के लिपिड्स भी शरीर से बाहर आ जाते हैं। तो, धमनियों कोलेस्ट्रॉल जमा नहीं होता, धमनियां साफ हो जाती हैं, ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और शरीर हाई बीपी समेत कई सारी समस्याओं से बचा रहता है। हाई कोलेस्ट्रॉल में चिया सीड्स का सेवन कई प्रकार से फायदेमंद है। बस आपको करना ये है कि पानी में चिया सीड्स को भिगोकर रखें और कुछ ही देर बाद इसे मिलाकर पी लें। आपको ये काम हफ्ते में 3 दि न करना है और आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल अपने आप कंट्रोल होने लगेगा। इसके अलावा ये वेट लॉस में भी तेजी से काम करता है और पाचन क्रिया को भी स्वश्थ रखने में मददगार है। इसके अलावा जिन लोगों को फैटी लिवर की समस्या है उन्हें भी इन दोनों चीजों का सेवन करना चाहिए। तो, आप भी चिया सीड वॉटर को एक बार जरूर ट्राई करें।

शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद रोना, तनाव घटाने से लेकर आंखों की सफाई तक

रोते हुए किसी को देखकर हम अक्सर मान लेते हैं कि वह बहुत कमजोर है या अपनी इमोशन्स को संभाल नहीं पा रहा। खासकर बचपन से हमें कई बार कहा जाता है कि 'रोओ मत, मजबूत बनो', लेकिन सच यह है कि रोने से शरीर और मन पर इसके कुछ अच्छे असर भी हो सकते हैं। जब इंसान बहुत ज्यादा परेशान या तनाव में होता है, तो उसका शरीर भी इसका असर महसूस करता है। दिल तेजी से धड़कता है, बेचैनी बढ़ती है और दिमाग में एक ही बात बार-बार घूमती रहती है। ऐसे समय में रो लेने के बाद कई लोगों को कुछ राहत महसूस होती है। इसका एक कारण यह है कि रोने के दौरान हम अपने अंदर छिपी भावनाओं को बाहर आने देते हैं। इससे मन पर बना दबाव कुछ कम महसूस हो सकता है। तनाव के बाद शरीर को शांत करने में मदद करता है रोना- वैज्ञानिकों के मुताबिक, जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर का 'स्ट्रेस सिस्टम' सक्रिय हो जाता है। दिल की धड़कन बढ़ सकती है, मांसपेशियों में खिंचाव आता है और दिमाग लगातार परेशान करने वाली बातों के बारे में सोचता रहता है। भावनात्मक रूप से रोने के बाद कुछ लोगों में शरीर के शांत होने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम शरीर को आराम की स्थिति में वापस लाने में भूमिका निभाता है। इमोशन्स को बाहर निकालने का तरीका हैं आंसू- कई बार हम किसी बात से बहुत परेशान होते हैं, लेकिन उसे शब्दों में समझा नहीं पाते। ऐसी स्थिति में रोना इमोशन्स को जाहिर करने का एक स्वाभाविक तरीका बन जाता है। किसी भरोसेमंद व्यक्ति के सामने रोने से बातचीत शुरू हो सकती है और सामने वाला यह समझ सकता है कि हम अंदर से परेशान हैं। इस तरह आंसू कभी-कभी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने का काम भी करते हैं। अब सवाल आता है कि रोने के बाद मन हल्का क्यों लगता है?, दरअसल, भावनात्मक रोने के दौरान शरीर में कई तरह की प्रक्रियाएं चलती हैं। कुछ शोधों में पाया गया है कि रोने के बाद लोगों को शांत और भावनात्मक रूप से बेहतर महसूस होता है। यही परत आंखों को सूखने से बचाने और बाहरी कणों को हटाने में मदद करती है।

छोटा फल, बड़े फायदे: औषधीय गुणों का खजाना है करौंदा, आयरन और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत

खट्टा-मीठा स्वाद और औषधीय गुणों से भरपूर करौंदा (कैरिसा कैरेंडस) भले ही एक छोटा सा जंगली फल हो, लेकिन सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। गुच्छों में लगने वाला यह फल आमतौर पर अचार, चटनी और मुरब्बे में इस्तेमाल होता है, लेकिन आयुर्वेद में इसे कई बीमारियों का प्राकृतिक इलाज माना गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने एक्स पोस्ट में कहा, "करौंदा छोटे, सुगंधित फूलों और रंग-बिरंगे फलों वाला एक उपयोगी और कम देखभाल में पनपने वाला पौधा है। इसके फलों का उपयोग अचार, जैम और जेली बनाने में किया जाता है।

वहीं, यह आयरन और विटामिन-सी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है।" पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने बताया कि करौंदे के पौधे की ऊंचाई 8-12 फीट तक होती है। पौधे पर छोटी, मोटी और विपरीत क्रम में लगी पत्तियां, तने और शाखाओं पर मजबूत कांटे, छोटे, सुगंधित सफेद फूल, फल, कच्चे हरे, पकने पर लाल से बैंगनी-काले होते हैं। विभाग ने आगे बताया कि करौंदे ताजे फल खाने के साथ अचार, जैम और जेली में उपयोग किए जाते हैं। इसके अलावा, यह आयरन और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है। करौंदे के पौधे की खासियत है कि यह कम देखभाल में आसानी से पनपता है। कांटेदार होने के कारण प्राकृतिक बाड़े के लिए उपयोगी है। इसके साथ ही पित्त की समस्या, पेट दर्द, कब्ज, एनीमिया, त्वचा की समस्याओं, भूख न लगने पर भी इसके फल का इस्तेमाल होता है।

सुबह के समय सिर्फ एक कटोरी अंकुरित मूंग दाल खाने से सेहत को मिलते हैं ये ज़बरदस्त फायदे

आपने अपने घर के बड़े बुजुर्गों से सुना होगा की रोज़ अंकुरित मूंग दाल खाएं। दरअसल, मूंग दाल गुणों की खान है इसका सेवन करने से सिर्फ आपक वजन ही कम नहीं होता है बल्कि और भी सेहत से जुड़े कई फायदे मिलते हैं। लेकिन अगर आप इसका सेवन सुबह के समय बिना कुछ खाये पिये करते हैं तो आपका शरीर न केवल हेल्दी और स्वस्थ रहेगा बल्कि कई बीमारियों से भी दूर रहेगा। सुबह के समय रोजाना एक कटोरी सेवन करने से आपका शरीर निरोगी होगा। मूंग दाल में प्रचुर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन, विटामिन बी 6 पाया जाता है। ये सभी पोषक तत्व बेहतरीन सेहत के लिए ज़रूरी होते हैं। चलिए जानिए अंकुरित मूंग दाल का सेवन करने से आपकी सेहत को कौन-कौन से फायदे होते हैं?

वजन घटाने में मददगारः अगर आप अपने बढ़त वजन से परेशान हैं तो अपनी डाइट में अंकुरित मूंग दाल का सेवन शुरू करें। इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपके पेट को फूल रखते हैं जिससे आपको जल्दी भूख नहीं लगती है। यह लो कैलोरी युक्त फ़ूड है इसलिए आप अपना वजन तेजी से कम कर सकते हैं। इसका सेवन करने से आपका स्लो मेटाबोलिज़म तेजी से बढ़ता है जिससे वजन आसानी से अकम होता है।

पाचन के लिए असरदारः अगर आपका खाना नहीं पचता है और लगातार डकार आती है तो अपनी डाइट में अंकुरित मूंग दाल ज़रूर शामिल करें। अंकुरित मूंग दाल में काफी मात्रा में फाइबर होता है जो आपका खाना पचाने में सहायता करता है।

दही के साथ भूलकर भी इन चीज़ों का न करें सेवन

अगर आप भी दही के शौकीन हैं और दही के बिना आपका खाना पूरा नहीं होता है। कुछ लोगों को लंच और डिनर दोनों समय दही की तलब लगती है। लोग अपनी डेली डाइट रूटीन में सादा दही, मीठा दही, छाछ या फिर दही के रायते के रूप में दही को शामिल करते हैं। दही खाने से पेट संबंधी बीमारियां दूर रहती हैं और पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। साथ ही दही खाने से हड्डियां भी मजबूत होती हैं। दही हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है ये तो हम सब जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दही के साथ कुछ चीजों को मिलाकर खाना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। चलिए आपको बताते हैं दही के साथ किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। दही और प्याजः अगर आप भी दही और प्याज का सेवन एक सतह करते हैं तो इस आदत को तुरंत बदल दें। इन दोनों की तासीर एक दूसरे से अलग होती है। ऐसे में अगर आप इन्हें एक साथ मिलाकर खाते हैं तो आप कई दाद, एक्जिमा, खुजली, खाज और पेट से संबंधित बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। मछली और दही एक साथ खाने से बचेंः अगर आपने मछली खाया है तो आप उसके तुरंत बाद दही का सेवन न करें। वहीं, अगर दही का सेवन कर रहे हैं तो उसके साथ साथ में मछली ना खाएं।

हीमोग्लोबिन की कमी होगी दूर बस इस चीज़ को अपनी डाइट में करें शामिल

हीमोग्लोबिन का काम है हमारी बॉडी में ऑक्सीजन का पहुंचाना अगर शरीर में हीमोग्लोबिन कम हुआ तो शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है और कई बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। शरीर में जब लाल रक्त कोशिका की कमी होने लगती है तब इससे आपका हीमोग्लोबिन लेवल कम हो जाता है। इसकी कमी का मुख्य कारण खून में आयरन की कमी का होना माना जाता है। दरअसल, आयरन से हीमोग्लोबिन बनता है, यह लाल रक्त कोशिका में पाया जाने वाला पदार्थ है जो हमारे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से ज्यादातर लोग एनीमिया जैसी बीमारी के शिकार होते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं खून की कमी होने पर बॉडी में क्या लक्षण दिखते हैं और किन चीज़ों के सेवन से आप अपने बॉडी में इसकी मात्रा बढ़ा सकते हैं? हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए आप आयरन से भरपूर फूड्स का सेवन करें। आप अपनी डाइट में बीटरूट, गाजर और खजूर को शामिल कीजिए। इनके सेवन से शरीर में खून की मात्रा तेजी से बढ़ती है। रोज़ चुकंदर खाने से आपके शरीर में खून बढ़ता है। खून की मात्रा को बढ़ाने में गाजर बेहतरीन खाद्य पदार्थों में से एक है।

डायबिटीज के मरीज सुबह नाश्ते में करें इन 2 बीजों का सेवन

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसमें शुगर मेटाबोलिज्म खराब हो जाता है और शरीर शुगर पचाने की जगह इसे खून में मिला देता है। इससे शुगर खून के जरिए तमाम अंगों तक पहुंच जाता है और फिर कई लक्षणों को पैदा करता है।

इतना ही नहीं ये दिल, लिवर और किडनी के काम काज को भी प्रभावित करता है और डायबिटीज में शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है। इतना ही नहीं इन दोनों का सेवन मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और इंसुलिन सेल्स की गति में तेजी लाता है। इस प्रकार से ये दोनों ही बीज डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को सूरजमुखी के बीज और अलसी के बीजों को सेवन (Sunflower Seeds and Flax Seeds for Diabetes) करना चाहिए। Pubmed Central की रिपोर्ट के मुताबिक इन बीजों में बायोएक्टिव घटक जैसे सूरजमुखी के बीजों में क्लोरोजेनिक एसिड (chlorogenic acid) और सेकोइसोलारिसिनॉल डिग्लुकोसॉइड (secoisolariciresinol digluco-soid) इंसुलिन प्रतिरोध या इंसुलिन उत्पादन के उपचार में शामिल हैं। ये दोनों बेहतर ग्लाइसेमिक कंट्रोल में मदद करते हैं।

गर्मी में इन 5 चीजों से कर लें तौबा, नहीं तो बीमार पड़ते देर नहीं लगेगी

तपती गर्मी लोगों परेशान करने लगी है। इस मौसम में सेहतमंद रहना है तो कुछ खास बातों का ख्याल रखना जरूरी है। अगर ध्यान नहीं दिया तो बीमार पड़ते देर नहीं लगेगी। गर्मी के मौसम में लोग सबसे ज्यादा खाने-पीने की चीजों से बीमार पड़ते हैं। इसलिए आपको बड़ा सोच-समझकर खाना चाहिए। कुछ भी उल्टा पुल्टा खाने से न सिर्फ पाचन से जुड़ी समस्या होगी बल्कि इससे फूड प्वाइजनिंग जैसी गंभीर समस्या भी हो सकती है। आज हम आपको ऐसे फूड आइटम्स के बारे में बता रहे हैं जिनसे आपको गर्मी में परहेज करना चाहिए। अगर आप इन चीजों से दूरी बना लेंगे तो कम से कम बीमार पड़ेंगे।

तला भुना और मसालेदार खाना- गर्मी आते ही डाइट से तला भुना खाना हटा देना चाहिए। इस मौसम में ज्यादा तेल मसालेदार भोजन से पाचन से जुड़ी समस्या हो सकती है। इससे पेट में जलन, गैस और एसिडिटी बढ़ सकती है। इसलिए इन चीजों से दूरी बनाकर ही रखें। ज्यादा तेल वाली चीजें खाने से मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है।

बासी खाना- सर्दी में खाना पूरे दिन भी खराब नहीं होता है। कुछ लोग सुबह का खाना शाम और शाम का खाना सुबह खा लेते हैं, लेकिन गर्मी के दिनों में ऐसा करना बीमारियों को न्योता देने जैसा है। गर्मी के मौसम में बासी खाना भूलकर भी नहीं खाएं। इससे पेट में समस्या हो सकती है। कई बार खराब खाने की वजह से फूड पॉइजनिंग की समस्या हो जाती है।

बाहर का खाना- कुछ लोग बाहर का खाना बहुत ज्यादा खाते हैं। ऐसे लोगों के बीमार पड़ने की संभावना ज्यादा होती है। गर्मी में बाहर के खाने में कई तरह के बैक्टीरिया पैदा हो सकते हैं। धूप की वजह से खाना खराब हो सकता है। खासतौर से बाहर का जूस, कटे हुए फल, फ्रूट चाट भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। इससे आप बीमार हो सकते हैं।

चाय और कॉफी- ठंड में दिन में कई चाय पीने से भी कुछ नहीं होता, लेकिन गर्मी के दिनों में चाय और कॉफी की मात्रा भी कम कर देनी चाहिए। कुछ लोग दिन में कई चाय पीते हैं या फिर बार-बार कॉफी पीने की आदत होती है। ऐसे लोगों में डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। जिससे आप बीमार पड़ सकते हैं। वहीं चाय और कॉफी ज्यादा पीने से एसिडिटी भी बढ़ती है।

अचार- बदलते मौसम के साथ डाइट में बदलाव जरूर कर लेने चाहिए। गर्मी में अचार की मात्रा भी कम खानी चाहिए। भले ही अचार का स्वाद खाने के स्वाद को बढ़ा देता हो, लेकिन गर्मी में अचार खाने से आपकी सेहत बिगड़ सकती है। अचार में तेल और नमक की मात्रा ज्यादा होती है।

खान सर पर महिला ने लगाए गंभीर आरोप, जान से मारने की कोशिश का दावा

पटना। पटना में शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। हुस्नारा खातून नामक महिला का आरोप है कि उसे खान सर से जान का खतरा है और इसी आशंका के चलते उसने पुलिस थाने में आवेदन देकर सुरक्षा की मांग की है। महिला ने कहा कि उसे पुलिस की ओर से सुरक्षा का आश्वासन मिला है और किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल थाना से संपर्क करने के लिए नंबर भी दिया गया है। हुस्नारा खातून ने आईएएनएस से बातचीत में दावा किया कि वर्ष 2017 में उसकी रूम पार्टनर सबीना खातून के साथ खान सर का संपर्क था और वह लगातार करीब छह महीने तक उनके कमरे पर आते-जाते थे। महिला के मुताबिक, उसने इसको लेकर कई बार आपत्ति जताई थी। उसका आरोप है कि इस दौरान करीब दो महीने तक उनके बीच विवाद और झगड़े की स्थिति बनी रही, जिसके बाद मामला थाना-पुलिस तक भी पहुंचा। हुस्नारा ने आरोप लगाया कि खान सर की ओर से उसे नुकसान पहुंचाए जाने की आशंका को लेकर उसने अपने एक रिश्तेदार, जो थानेदार हैं, को जानकारी दी थी।

'चीन की सैटेलाइट भी नहीं कर पाई पाकिस्तान की मदद', ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पूर्व CDS जनरल चौहान

नई दिल्ली। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किए गए हमलों के नतीजों का पता लगाने के लिए कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरों का सहारा लेने की कोशिश की थी। इसमें उसने चीनी सैटेलाइट कंपनियों से तस्वीरें हासिल करने की कोशिश भी की, लेकिन वह अपने हमलों से किसी लक्ष्य को नुकसान पहुंचने का सबूत हासिल नहीं कर सका। जनरल चौहान ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन में आयोजित 'विमर्श' कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की स्थिति पर बात करते हुए यह जानकारी दी। पूर्व CDS ने बताया कि आज कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरें किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। अमेरिका और चीन की कई कंपनियां ऐसी तस्वीरें उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं का इस्तेमाल कोई भी कर सकता है और ऐसा नहीं है कि केवल पाकिस्तानी ही चीनी कंपनियों से तस्वीरें खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा, 'चीनी कमर्शियल सैटेलाइट की तस्वीरें किसी के लिए भी उपलब्ध हैं। कोई भी उन्हें खरीद सकता है। ऐसा नहीं है कि केवल पाकिस्तानी ही इन्हें खरीद सकते हैं। अमेरिका की कई कंपनियां भी कमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी उपलब्ध कराती हैं। इसी तरह चीन में भी अब कई कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं और व्यावसायिक आधार पर तस्वीरें देती हैं।' पूर्व CDS ने यह भी समझाया कि कमर्शियल सैटेलाइट से तस्वीरें हासिल करना हमेशा तत्काल संभव नहीं होता। इसके लिए पहले कंपनी के साथ अनुबंध करना पड़ता है, भुगतान करना होता है और कई मामलों में तस्वीरें मिलने के लिए इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग कंपनियों के भुगतान और सर्विस मॉडल अलग हो सकते हैं यानी सिर्फ पैसे देकर तुरंत किसी इलाके की तस्वीर हासिल कर लेना हमेशा संभव नहीं होता। जनरल चौहान ने

कहा, 'हमेशा एक वेटिंग टाइम होता है। यह आपके अनुबंध पर निर्भर करता है। ऐसा नहीं है कि चीजें तुरंत उपलब्ध हो जाती हैं। आपने अनुबंध किया होता है और भुगतान के अलग-अलग मॉडल के तहत आपको तय तरीके से तस्वीरें दी जाती हैं।' जनरल चौहान ने कहा कि पाकिस्तान को अपने हमलों के नतीजों की सही जानकारी नहीं थी। उनके मुताबिक, पाकिस्तान यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि उसके हमलों से वास्तव में किसी लक्ष्य को नुकसान पहुंचा या नहीं। जनरल चौहान ने आगे बताया कि पाकिस्तान ने 10 मई के बाद भी करीब 12 मई तक तस्वीरें हासिल करने की पूरी कोशिश की, ताकि उसे अपने हमलों से किसी लक्ष्य को नुकसान पहुंचने का सबूत मिल सके। पूर्व CDS ने दावा किया कि जब पाकिस्तान को अपेक्षित सबूत नहीं मिले तो उसने दूसरी चीनी सैटेलाइट सेवाओं से भी तस्वीरें हासिल करने की कोशिश की। लेकिन इसके बावजूद वह यह साबित नहीं कर सका कि उसके हमलों ने किसी लक्ष्य को निशाना बनाया था। जनरल चौहान के मुताबिक, जब पाकिस्तान को हमलों के नतीजों का सबूत नहीं मिला तो वहां इस बात को लेकर शक पैदा हुआ कि शायद उससे कोई जानकारी छिपाई गई है।

चंडीगढ़ अदालत ने बीइंग ह्यूमन ज्वेलरी शोरूम धोखाधड़ी मामले में जारी किया नोटिस

चंडीगढ़। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। चंडीगढ़ जिला अदालत ने अभिनेता सलमान खान, उनकी बहन अलवीरा खान अग्निहोत्री, 'बीइंग ह्यूमन फाउंडेशन' और 'स्टाइल कोशेंट ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड' के डायरेक्टर्स को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस मनीमाजरा में प्रस्तावित 'बीइंग ह्यूमन ज्वेलरी शोरूम' से जुड़ी धोखाधड़ी की शिकायत के मामले में जारी किया गया है। यह मामला केस नंबर सीओएमआई/9/2023, अरुण गुप्ता बनाम स्टाइल कोशेंट ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से दर्ज है। शिकायत मनीमाजरा के व्यवसायी अरुण गुप्ता ने दर्ज कराई है। अदालत ने सभी पक्षों को 5 अक्टूबर को पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत से जारी नोटिस के अनुसार, सलमान खान निवासी 3 गैलेक्सी अपार्टमेंट, बीजे रोड, बैंड स्टैंड, बांद्रा वेस्ट मुंबई, उनकी बहन अलवीरा खान अग्निहोत्री निवासी 6 अश्विनी पाली माला रोड बांद्रा पश्चिम, बीइंग ह्यूमन फाउंडेशन, स्टाइल कोशेंट ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संतोष श्रीवास्तव और प्रसाद बिंदु माधव कापड़े को अदालत में पेश होना होगा। नोटिस में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने आपके खिलाफ शिकायत दर्ज की है, इसलिए बीएनएसएस की धारा 223 के तहत मामले पर संज्ञान लेने से पहले के चरण में यह नोटिस भेजा जा रहा है। इस मामले में स्पष्टीकरण देने के लिए अदालत के समक्ष आपकी उपस्थिति आवश्यक है। निर्देश दिया गया है कि तय तारीख 5 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे उक्त अदालत में व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से उपस्थित हों। जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला मनीमाजरा में प्रस्तावित बीइंग ह्यूमन ज्वेलरी शोरूम से जुड़ा है।

शिकायतकर्ता अरुण गुप्ता का आरोप है कि शोरूम के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। हालांकि, इस मामले में अभी अदालत ने केवल नोटिस जारी कर पक्ष रखने को कहा है, संज्ञान लेना बाकी है। इस केस की पिछली सुनवाई 4 अगस्त को हुई थी, जिसके बाद अदालत ने 24 अगस्त को यह नोटिस जारी किया है। अब अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी, जिसमें सलमान खान और अन्य को अपना पक्ष रखना होगा। बता दें कि बीइंग ह्यूमन फाउंडेशन सलमान खान का चैरिटी ब्रांड है, जो कपड़े, ज्वेलरी और अन्य प्रोडक्ट्स के जरिए चैरिटी करता है। चंडीगढ़ जिला अदालत की ओर से जारी नोटिस के बाद अभिनेता सलमान खान से जुड़े इस मामले को लेकर कानूनी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, अदालत ने अभी मामले में आरोपों की सत्यता पर कोई निष्कर्ष नहीं दिया है। नोटिस जारी किए जाने का उद्देश्य संबंधित पक्षों को शिकायत पर अपना पक्ष रखने का अवसर देना है। शिकायत में सलमान खान और अन्य संबंधित पक्षों की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

जब जंगली सूअर से अकेले ही भिड़ गया 14 साल का बच्चा, कायम कर दी बहादुरी की मिसाल

ओडिशा के कटक जिले में एक बच्चे ने बहादुरी की नई मिसाल कायम कर दी है। यहां कटक के बांकी इलाके में मंगलवार को एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। एक 14 साल के एक बच्चे पर नहर के अंदर जंगली सूअर ने अचानक से हमला कर दिया। हालांकि, हमले के दौरान बच्चे ने घबराने के बजाय हिम्मत दिखाई और अपनी जान बचाने के लिए जंगली सूअर को मजबूती से पकड़कर उससे मुकाबला किया। कटक में जंगली सूअर के हमले की इस घटना में बच्चे को चोटें आई हैं। रेस्क्यू के बाद उसे इलाज के लिए बांकी उपमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, 14 वर्षीय सुमन बेहरा पर उस समय जंगली सूअर ने हमला कर दिया, जब वह स्थानीय नहर में था। सुमन, सुदर्शन बेहरा का बेटा है। अचानक हुए इस हमले से वहां हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद बांकी फायर सर्विस टीम को तत्काल जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही फायर सर्विस के जवान मौके के लिए रवाना हो गए। जब फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची तो उन्होंने जो दृश्य देखा, वह हैरान करने वाला था। बच्चा जंगली सूअर के साथ संघर्ष कर रहा था और उसने अपनी सुरक्षा के लिए उसे मजबूती से पकड़ रखा था। जंगली सूअर के हमले के दौरान सुमन को चोटें आईं।

स्वाइन फ्लू की दस्तक से दिल्ली के स्कूलों के लिए अलर्ट, छात्रों की सुरक्षा के लिए जारी हुई एडवाइजरी

दिल्ली में मौसमी इन्फ्लुएंजा और स्वाइन फ्लू (H1N1) को लेकर शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। निदेशालय ने सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। निदेशालय ने स्कूलों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संक्रमण से बचाव और श्वसन स्वच्छता के उपायों को मजबूत करने की सलाह दी है। वहीं, स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमरजेंसी बैठक बुलाई। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि गले में खराश, खांसी, सांस लेने में परेशानी, शरीर में दर्द, सिरदर्द, थकान, ठंड लगना और बुखार मौसमी इन्फ्लुएंजा/H1N1 से जुड़े लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, निदेशालय ने कहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन समय पर जागरूकता और बचाव के उपाय बेहद जरूरी हैं। स्कूलों को खांसते या छींकते समय नाक और मुंह ढकने, इस्तेमाल किए गए टिश्यू को उचित तरीके से फेंकने और नियमित रूप से साबुन-पानी से हाथ धोने के लिए छात्रों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने को कहा गया है। खासकर, खाना खाने से पहले और खांसने या छींकने के बाद हाथों की सफाई पर जोर दिया गया है।

जिन लोगों में सांस संबंधी लक्षण दिखाई दे रहे हों, उनसे उचित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। जरूरत महसूस होने पर मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही स्कूलों में कक्षाओं, कॉमन एरिया और बार-बार छुई जाने वाली सतहों की नियमित सफाई तथा पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूल परिसर और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचने को लेकर भी जागरूकता फैलाने को कहा गया है।

एडवाइजरी में पर्याप्त पानी पीने, पौष्टिक भोजन लेने, पर्याप्त आराम करने और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है। छात्रों और स्कूल स्टाफ को आंख, नाक और मुंह को बार-बार छूने से बचने एवं बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक या अन्य दवाएं नहीं लेने की सलाह दी गई है। सभी जिलों और जोन के उप शिक्षा निदेशकों को इन निर्देशों के अनुपालन की निगरानी करने और इसकी संकलित रिपोर्ट 31 अगस्त 2026 तक शिक्षा निदेशालय की हेल्थ स्कूल ब्रांच को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

बदायूं में सरकारी जमीन पर मूर्ति स्थापित करने को लेकर भारी बवाल, पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल

उत्तर प्रदेश में बदायूं की बिसौली तहसील के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के सीकरी गांव में सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति स्थापित करने को लेकर भारी बवाल हो गया। ईंटों का चबूतरा बनाकर प्रतिमा स्थापित करने की कोशिश के दौरान जब पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, तो भीड़ उग्र हो गई। उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया, जिसमें पुलिस की कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, साथ ही कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा और स्थिति को नियंत्रित किया। मामला फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के सीकरी गांव का है, जहां सरकारी जमीन पर बिना प्रशासनिक अनुमति के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि इस जगह पर ईंटों का चबूतरा बनाकर दोबारा मूर्ति स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा था। जब स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम ने बिना अनुमति हो रहे निर्माण को रोकने की कोशिश की, तो वहां मौजूद भीड़ आक्रोशित हो गई। देखते ही देखते विरोध ने उग्र रूप ले लिया और भीड़ की ओर से पुलिस प्रशासन पर पथराव शुरू कर दिया गया। पथराव इतना भीषण था कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के वाहनों में तोड़फोड़ हुई। इस हमले में कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर है। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने उपद्रवियों पर लाठियां भांजकर उन्हें खदेड़ दिया। पुलिस मामले में शामिल अन्य उपद्रवियों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

हाई-टेक कंपनियों के लिए बीआईएस प्रमाणन नियमों में ढील देगा भारत, सेमीकंडक्टर और एआई निवेश को मिलेगा बढ़ावा

बीआईएस नियमों में छूट से सेमीकंडक्टर और एआई कंपनियों के लिए निवेश प्रक्रिया होगी आसान

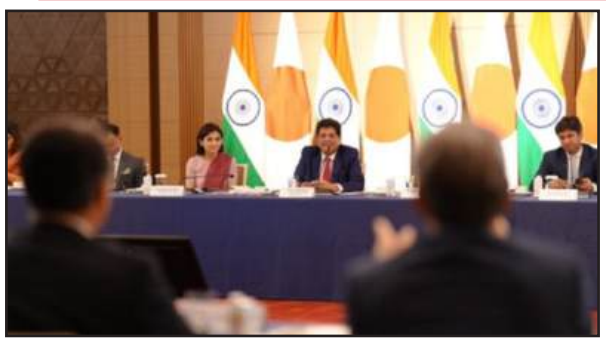

टोक्यो। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार देश में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने की इच्छुक सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य उच्च-प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन संबंधी नियमों को सरल बनाने की दिशा में काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य निवेशकों की नियामकीय चुनौतियों को कम करना और भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करना है। टोक्यो में आयोजित सेमीकंडक्टर और एआई विषयक एक गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि सरकार ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल किया है और भारत में निवेश की संभावनाएं तलाश रही जापानी कंपनियों को केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से पूरा सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा, "हम भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाना चाहते हैं।" साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार निवेशकों को उपयुक्त स्थानीय साझेदारों और निवेशकों की पहचान करने में भी मदद करेगी। गोयल ने बताया कि उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से बीआईएस प्रमाणन प्रक्रिया को लेकर कुछ चिंताएं उठाई हैं। उनके अनुसार, उच्च-प्रौद्योगिकी विनिर्माण के लिए आवश्यक कई विशेष मशीनों, उपकरणों और घटकों को भारत में लाने के दौरान प्रमाणन से जुड़ी जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और बीआईएस को एक नया ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसका उद्देश्य ऐसे उपकरणों और घटकों के आयात तथा उपयोग को अधिक सुगम बनाना है, ताकि भारत में नई विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में अनावश्यक देरी न हो।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत विभिन्न स्तरों पर छूट देने की संभावना पर विचार किया जा रहा है, जिसमें विशेष क्षेत्रों, विशिष्ट कंपनियों, किसी खास उत्पाद या परियोजना के आधार पर छूट देने जैसे विकल्प शामिल हो सकते हैं।

गोयल ने कहा, "भारत लौटने के बाद हम इस ढांचे पर काम करेंगे और सामूहिक छूट, उत्पाद-आधारित छूट, परियोजना-आधारित छूट या कंपनी स्तर पर छूट जैसे विकल्पों के जरिए समाधान तलाशेंगे।" उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में उत्पादन शुरू करने वाली कंपनियों को आवश्यक उत्पाद, उपकरण और सेवाएं समय पर उपलब्ध हों तथा नियामकीय प्रक्रियाओं के कारण उनकी परियोजनाओं पर असर न पड़े। मंत्री ने भारत और जापान के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध नई प्रौद्योगिकियों, उन्नत विनिर्माण और आपूर्ति शृंखला विकास जैसे क्षेत्रों में व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। भारत वर्तमान में एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों को आकर्षित करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और चिप निर्माण क्षमता के विस्तार के लिए सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है।

पति-पत्नी का रिश्ता खूबसूरत, लेकिन बिगड़ने पर बन सकता है 'जी का जंजाल'

दिल्ली हाई कोर्ट ने वैवाहिक रिश्तों पर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि विवाह संस्था विरोधाभासों और चरम स्थितियों से भरी है। यदि पति-पत्नी के बीच के मुद्दों का जल्द समाधान नहीं किया जाए तो 'जीवनसाथी' ही 'जी का जंजाल' बन जाता है। हाई कोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी का संबंध इंसानों के सबसे खूबसूरत रिश्तों में से एक है, लेकिन वैवाहिक संबंधों में चीजें बिगड़ने पर यही रिश्ता सबसे भयावह हो जाता है। न्यायमूर्ति विमल कुमार यादव ने ये टिप्पणियां एक व्यक्ति की अपील मंजूर करते हुए कीं।

निचली अदालत ने उसे पत्नी के मुंह में बेगॉन स्प्रे डालकर उसकी हत्या की कोशिश करने के मामले में तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। हाई कोर्ट ने मामले में नफे सिंह को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 के तहत अपेक्षित इरादे और जानकारी के संबंध में ठोस साक्ष्य पेश करने में विफल रहा।

अदालत ने व्यक्ति को संदेह का लाभ देते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर पेश किए गए इस तरह के कमजोर साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करना बेहद असुरक्षित होगा। हाई कोर्ट ने 24 अगस्त के अपने फैसले में कहा, "विवाह संस्था काफी विरोधाभासी और चरम स्थितियों से भरी हुई है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in